cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

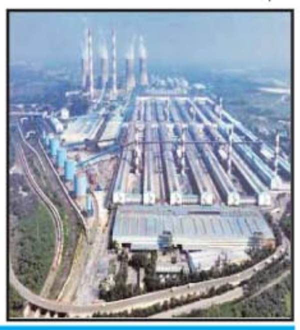

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 विराट ने दिया वैभव सूर्यवंशी को ऑटोग्राफ, लिखा- वेलडन | सम्पादकीय सीमा से परे सीखनाः आयु सिर्फ एक... | एल्युमिनियम पार्क के लिए एमओयू, डाउनस्ट्रीम कंपनियों... 5
वर्ष 12 अंक 361 E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, रविवार 12 अप्रैल 2026 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर करेगी : पीएम नरेन्द्र मोदी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के कटवा, मुर्शिदाबाद के जंगीपुर और बांग्लादेश सीमा से सटे दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुशमंडी में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधा।

पीएम ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार भी चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। मोदी ने कहा- बंगाल की जनता ने मां, माटि और मानुश के नारे से प्रेरित होकर, बहुत आशा और उमंग के साथ टीएमसी को एक मौका दिया लेकिन सत्ता में आते ही टीएमसी वामपंथियों की कॉर्बन कॉपी बन गई।

प्रधानमंत्री ने कहा- वामपंथियों से जुड़े सभी गुंडे और गिरोह तृणमूल में शामिल हो गए हैं। टीएमसी ने अब हर चीज का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है- हथियारों, नशीले पदार्थों और मवेशियों की तस्करी से लेकर उन कटौतियों और कमीशनों तक, जो कभी वामपंथियों की पहचान हुआ करती थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में 'कट मनी', कमीशन और भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे, जिससे युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा।

ईरान-अमेरिका सीजफायर वार्ता का पहला दौर खत्म, 47 साल बाद दोनों देशों की आमने-सामने बातचीत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता का पहला राउंड 2 घंटे तक चला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान ईरान ने लेबनान पर तुरंत इजराइली हमले रोकने की मांग की है।

इस बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया। यह मीटिंग कल भी जारी रह सकती है। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार था जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत की। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी।

नारी सशक्तिकरण के लिये संसद की बैठक होगी ऐतिहासिक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी 16 अप्रैल को संसद में ऐतिहासिक बैठक होने जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर विधेयक पारित करवाने के लिये विशेष सत्र का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में देश की जनता के समग्र कल्याण और चहुँमुखी विकास के लिये अभूतपूर्व कार्य किये गये हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के द्वारा देश की आधी आबादी के सशक्तिकरण के लिये दृढ़संकल्पित होकर नारीशक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाने के लिये संकल्पबद्ध होकर कार्य करना नारी सशक्तिकरण के लिये उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देशवासियों के लिये सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी सभी के कल्याण के लिये दूरदृष्टि के साथ कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा ज्ञान (तङ्खह) का मंत्र देते हुये गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी सशक्तिकरण के लिये विभिन्न कार्ययोजना को मिशन मोड में पूरा करने का कार्य किया जा रहा है। देश में नारी सशक्तिकरण के लिये किये जा रहे कार्यों का परिणाम है कि हमारी बेटियां आज हवाई जहाज उड़ा रही हैं और अंतरिक्ष में कीर्तिमान रच रही हैं। सेना में भी अपनी क्षमता, योग्यता से अपनी एक विशेष पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम नारी शक्ति वंदन के महत्वपूर्ण निर्णय के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिये लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण प्रावधानों को लागू करने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा लिये गये निर्णयों का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक निश्चित रूप से विकसित भारत बनाने में नारी शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिला कल्याण के अभियान को निश्चित रूप से अभूतपूर्व गति मिलेगी।

1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में आज पहुँचेंगे 1836 करोड़ रूपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 अप्रैल को सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में 1836 करोड़ रूपये से अधिक की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 184 करोड़ 92 लाख रूपये की लागत के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। इन कार्यों में 115 करोड़ 32 लाख रूपये के कार्यों का लोकार्पण एवं 69 करोड़ 60 लाख रूपये के कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है।

इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहमः सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है। जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस चुनौती को पूरा करेगा, लेकिन इसके लिए कानून की गुणवत्ता, स्थिरता और पारदर्शिता जरूरी होगी, क्योंकि इसी पर आर्थिक वादों और निवेश का आधार टिका होता है। ष्ठछ्वढ्ढ ने कहा कि अब भारत को ऐसे निवेश की जरूरत है जो जल्दी मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहने वाले हों और भरोसे पर आधारित हों। जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में पेंशन फंड का पैसा लगाना, टेक कंपनियों का अपना ज्ञान साझा करना या बड़ी विदेशी कंपनियों का सप्लाई चेन बनाना- ये सब लंबे समय की जिम्मेदारियां होती हैं।

बिरला नगर अस्पताल को मिली अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण की सौगात

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किया सी-आर्म मशीन का शुभारंभ

ग्वालियर। उपनगर में सरकार द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इस क्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को बिरला नगर सिविल अस्पताल एवं प्रसूति गृह में अत्याधुनिक श्सी-आर्म मशीनश् का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तकनीक के इस विस्तार से अब क्षेत्र के नागरिकों को जटिल सर्जरी और उपचार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सुलभ, आधुनिक एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि सी-आर्म मशीन एक मोबाइल मेडिकल इमेजिंग डिवाइस है, जो सर्जरी के दौरान रियल-टाइम एक्स-रे (फ्लोरोस्कोपी) छवियां प्रदान करती है। इसका मुख्य उपयोग ऑर्थोपेडिक (हड्डी), कार्डियोलॉजी, और यूरोलॉजी सर्जरी में शरीर के आंतरिक अंगों को देखने, हड्डियों को जोड़ने, स्टेंट लगाने, या कैथेटर को सही स्थान पर पहुंचाने के लिए किया जाता है। ऊर्जा मंत्री ने इस दौरान बिरला नगर अस्पताल में उपचाराधीन रोगियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। साथ ही अस्पताल परिसर की व्यवस्थाओं और साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और रोगियों से जुड़ी सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। सिविल अस्पताल एवं प्रसूति गृह बिरला नगर में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा सी-आर्म मशीन का लोकार्पण किए जाने के उपरांत विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा अस्थि रोग से पीड़ित पहले मरीज का सफल आपरेशन भी किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव, सिविल अस्पताल बिरला नगर के अधीक्षक डॉ.जेके मसोरिया, डॉ. एके खरे, डॉ.हरेन्द्र सिंह तोमर, डॉ.वरुण पाठक सहित अन्य प्रमुख चिकित्सक मौजूद रहे।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसानों के विकास के लिए हम हैं प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

किसानों के श्रम से देश का खाद्यान्न निर्यात हुआ दोगुना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों के लिए पाठशाला की तरह है उन्नत कृषि महोत्सव : चौहान

केन्द्रीय रक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री की उपस्थिति में 3 दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव-2026 का हुआ शुभारंभ

भोपाल/रायसेन। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। किसानों की मुस्कान ही हमारी पूंजी है। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी बड़े जोखिम का काम है, फिर भी हमारे किसान पूरी मेहनत और लगन से देशवासियों का उदर-पोषण करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे स्वयं एक किसान पुत्र हैं। किसानों की वेदना और उनकी जरूरतों से वाकिफ हैं। किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इनकी बेहतरी के लिए हम संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देश के किसानों के कल्याण की दिशा में हमारा मजबूत प्रयास है। किसान सम्मान निधि के रूप में हर पात्र किसान के बैंक खाते में 6000 रुपए सीधे ट्रांसफर किये जा रहे हैं, जिससे वे खाद, बीज और खेती-किसानी के अन्य जरूरी समान खरीद सकें। यह किसानों की मेहनत का सम्मान है। अब तक हमारी सरकार हजारों करोड़ रुपए की सहायता किसान भाइयों को दे चुकी है। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गांव, गरीब, नारी, युवा और खेती-किसानी की लगातार बेहतरी के लिए हमारे प्रयास आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह शनिवार को रायसेन के दशहरा मैदान में आयोजित 'उन्नत कृषि महोत्सव-2026' को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा त्रि-दिवसीय कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत् शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने मध्यप्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सशक्त एवं कर्मठ नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रायसेन की उर्वर भूमि पर हो रहा यह उन्नत कृषि महोत्सव प्रदेश के किसानों की तकदीर और उनकी माली हालत की तस्वीर बदलने में बेहद सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों कुछ दिन पहले ही मध्यप्रदेश में बीईएमएल के पहले रेल कारखाने का भूमि-पूजन हुआ है और आज वे किसानों को अपना मार्गदर्शन देने आए हैं।

नारी सृष्टि की प्रथम अभिव्यक्ति और समकालीन शक्ति का सजीव प्रतीक हैः स्वामी श्री अवधेशानंद जी

FICCI FLO - Uttarakhand Chapter द्वारा आयोजित 'आज की नारी शक्ति' विषयक विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए स्वामी श्री अवधेशानंद जी

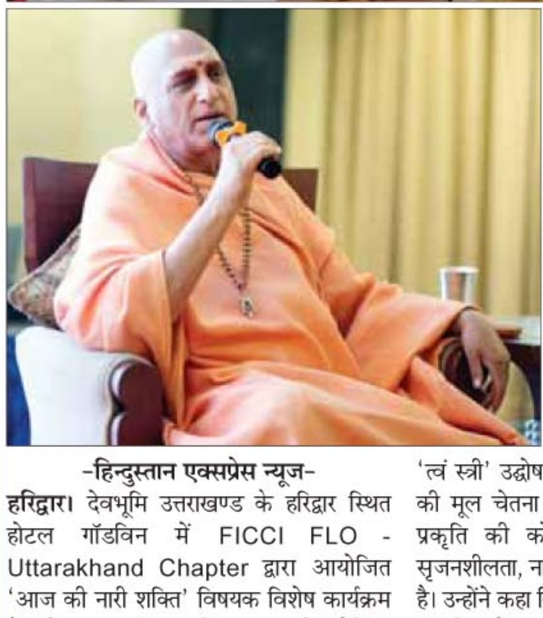

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। देवभूमि उत्तराखण्ड के हरिद्वार स्थित होटल गॉडविन में FICCI FLO - Uttarakhand Chapter द्वारा आयोजित 'आज की नारी शक्ति' विषयक विशेष कार्यक्रम में श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में पधारे।

इस अवसर पर अपने ओजस्वी, प्रेरक एवं सारगर्भित उद्बोधन में स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि 'नारी सृष्टि की प्रथम अभिव्यक्ति और समकालीन शक्ति का सजीव प्रतीक है। ' उन्होंने अपने वक्तव्य 'उथल-पुथल से उत्कर्ष तक : वैश्विक परिवर्तन के दौर में महिला नेतृत्व के लिए आध्यात्मिक रणनीतियाँ' के माध्यम से कहा कि आज का विश्व तीव्र परिवर्तन, अनिश्चितता और बहुआयामी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, किन्तु मनुष्य के भीतर मानसिक अशान्ति, मूल्य-संकट और संवादहीनता को भी बढ़ाया है। ऐसे समय में नेतृत्व केवल प्रशासनिक दक्षता का विषय नहीं रह जाता, बल्कि वह आंतरिक संतुलन, नैतिक स्पष्टता, करुणा, धैर्य और दूरदृष्टि का प्रश्न बन जाता है। इसी संदर्भ में महिला नेतृत्व एक सामाजिक आवश्यकता मात्र नहीं, बल्कि एक सभ्यतामूलक शक्ति के रूप में उभरता है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि भारतीय चिन्तन में नारी को शक्ति, संवेदना, सृजन, धारण-शक्ति और संतुलन की जीवित अभिव्यक्ति माना गया है। नारी केवल परिवार या समाज की इकाई मात्र नहीं, बल्कि जीवन को संस्कार, दिशा और उद्देश्य देने वाली शक्ति है। वैदिक वाङ्मय का 'त्वं स्त्री' उद्घोष इस सत्य का साक्षी है कि सृष्टि की मूल चेतना स्त्री स्वरूप में ही प्रतिष्ठित है। प्रकृति की कोमलता, ऊर्जा, संरक्षण और सृजनशीलता, नारी के दिव्य स्वरूप का ही विस्तार है। उन्होंने कहा कि आज की नारी अनेक स्तरों पर संघर्ष करते हुए घर और कार्यक्षेत्र, परम्परा और आधुनिकता, उत्तरदायित्व और आत्मसिद्धि के मध्य संतुलन स्थापित कर रही है। ऐसे समय में केवल कौशल, पद या संसाधन पर्याप्त नहीं; आवश्यक है आध्यात्मिक आधार, जो नेतृत्व को भीतर से स्थिरता प्रदान करे। आध्यात्मिकता का अर्थ बाह्य आडम्बर नहीं, बल्कि अपने भीतर के सत्य, मूल्यों और उद्देश्य से जुड़ना है। वही नेतृत्व स्थायी होता है, जो संकट में घबराहट नहीं, स्थिरता दे; विभाजन में टकराव नहीं, संवाद दे; और अंधकार में केवल आलोचना नहीं, दिशा दे।

महिला नेतृत्व के लिए उन्होंने कुछ मूलभूत आध्यात्मिक रणनीतियों का उल्लेख किया - आत्मबोध, मानसिक संतुलन, करुणा, धैर्य, मूल्याधारित निर्णय, सहयोग की संस्कृति तथा सुनने और सार्थक बोलने की साधना। उन्होंने कहा कि आत्मबोध नारी को यह स्मरण कराता है कि वह केवल भूमिका निभाने वाली सत्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन की स्रष्टा है। ध्यान, मौन, प्रार्थना, स्वाध्याय और आत्मसंवाद जैसे अभ्यास नेतृत्व को स्पष्टता और स्थिरता प्रदान करते हैं। करुणा कमजोरी नहीं, बल्कि वह शक्ति है जो न्याय को मानवता से जोड़ती है। धैर्य और दीर्घदृष्टि स्थायी सृजन के आधार हैं, जबकि सत्य, पारदर्शिता, सह-अस्तित्व और उत्तरदायित्व नेतृत्व को मूल्यनिष्ठ बनाते हैं।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति ने नारी को माता, अर्धांगिनी, संगिनी, बहन, धर्मपत्नी और गृहलक्ष्मी जैसे पावन रूपों में प्रतिष्ठित कर उसके गौरव को नमन किया है। जब-जब अधर्म और अराजकता ने मर्यादाओं का अतिक्रमण किया, तब-तब नारी ने दुर्गा, काली और चण्डिका के रूप में प्रकट होकर धर्म की पुनः प्रतिष्ठा की। इससे स्पष्ट है कि नारी केवल ममता और करुणा की प्रतिमूर्ति ही नहीं, बल्कि समय आने पर अदम्य शक्ति और संरक्षण की दिव्य धुरी भी है।

समकालीन परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए स्वामी जी ने कहा कि आज की नारी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, राजनीतिक, प्रशासनिक और सैन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, क्षमता और नेतृत्व का प्रभावी परिचय दे रही है। वह आत्मनिर्भर, सजग, समर्थ और संकल्पशक्ति से सम्पन्न होकर नई दिशा का निर्माण कर रही है। भारतीय परम्परा में वह माँ सरस्वती के रूप में ज्ञान, वाणी, बुद्धि और विवेक की अधिष्ठात्री है; अतः नारी केवल परिवार का केन्द्र नहीं, बल्कि संस्कृति और सभ्यता की संवाहिका भी है।

अपने उद्बोधन के अन्त में स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि उथल-पुथल से उत्कर्ष की यात्रा बाहर से नहीं, भीतर से आरम्भ होती है। जब नारी अपने भीतर की शक्ति को पहचानती है, तब वह केवल अपना जीवन नहीं बदलती, बल्कि युग की दिशा बदलने की सामर्थ्य प्राप्त कर लेती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नारी को केवल अवसर ही नहीं, बल्कि सम्मान, समान अधिकार, नैतिक स्वायत्तता और आध्यात्मिक सशक्तता भी प्रदान की जाए, ताकि वह अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ समाज, संस्कृति और राष्ट्र के निर्माण में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सके। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा श्रीमती तृप्ति बहल जी, पूर्व-अध्यक्षा डॉ. कोमल बत्रा जी सहित अनेक प्रबुद्ध एवं लब्ध-प्रतिष्ठित नारी शक्तियाँ उपस्थित रहीं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा शिव कॉलोनी सतना में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

99 मरीजों का पूरा स्वास्थ्य परीक्षण, 89 मरीजों को दी गई मुफ्त में दवाइयांः विजय सिंह पटेल

वर्ष में एक बार हेल्थ चेकअप अवश्य करना चाहिएः गरिमा द्विवेदी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-सतना। डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे अभियान चलता फिरता मुफ्त अस्पताल आपका अस्पताल आपके द्वार योजना अंतर्गत सिद्दार्थ नगर,शिव कॉलोनी में एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर निःशुल्क का आयोजन किया गया।

99 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, 89 मरीजों को दी गई मुफ्त में दवाइयां: विजय सिंह पटेल

सेवा न्यास के कार्यालय प्रमुख विजय सिंह पटेल ने बताया है कि आज के शिविर में 99 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं 89 मरीजों को मुफ्त में दवाइयां दी गई।

वर्ष में एक बार हेल्थ चेकअप अवश्य करना चाहिए: गरिमा द्विवेदी

शिव कॉलोनी निवासी श्रीमती गरिमा द्विवेदी ने कहा कि हम सबको वर्ष में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक रूप से करवाना चाहिए जिससे कि भविष्य में होने वाली बीमारियों का पता हमें आज चल सके और हम समय पर उपचार कर सके। सेवा न्यास की सामाजिक गतिविधियों के लिए बहुत-बहुत साधुवाद।

इनकी रही उपस्थिति

श्रीमती गरिमा द्विवेदी, श्रीमती शीलम सैनी, विजय सिंह पटेल, माया कुशवाहा, ऋतु श्रीवास्तव, सुनीता पांडे, रेखा गुप्ता, शनि कुशवाहा, मिथलेश मिश्रा, स्वाति सिंह, चंद्रभान तिवारी, शालनी सोनी, प्रिया द्विवेदी, पुष्पा अहिरवार, मुन्नी देवी, जितेंद्र तिवारी, निराला सिंह, प्रियंका गुप्ता, अमिता विश्वकर्मा, सर्वेश सिंह, रश्मि गुप्ता, मधु सिंह, सपना मिश्रा, यशोदा वर्मा, रामगोपाल शास्त्री, पुष्पांजलि सिंह, प्रतिमा पांडे, रामराज पाल, कमलेश कुमार, अनीता चतुर्वेदी, शिवानी गुप्ता सेवा न्यास कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिवंश अब भाजपा के वंश में शरीक

राज्यसभा के उपसभापति रहे हरिवंश को फिर से राज्यसभा की सदस्यता मिल गई है। उन्हे इस बार जेडीयू ने राज्यसभा नहीं भेजा था। लेकिन भाजपा सरकार के निर्णय पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को हरिवंश को राज्यसभा में मनोनीत करना पडा. राष्ट्रपति भवन से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि एक मनोनीत सांसद के रिटायरमेंट से जो रिक्ति हुई है, उस स्थान पर हरिवंश को मौका दिया गया है। अब वह फिर से राज्यसभा सांसद होंगे।

हरिवंश के मनोनयन से पत्रकार बिरादरी को खुश होने की जरुरत नहीं है क्योंकि अब हरवंश पत्रकारों के न वंश में हैं और न पत्रकारों के वंशज हैं. वे आज की तारीख में सत्तारूढ भाजपा के 'यसमैन' यानि हुकुम के गुलाम हैं. हरवंश को अबकी राज्यसभा की सदस्यता ईनाम -इकराम की शक्ल में मिली है.वे दूसरे जगदीप धनकड बनकर भाजपा के अधीन आ गए हैं. उन्हे धनकड़ गति भी याद नहीं रही.

राज्यसभा के उप सभापति रहै हरिवंश को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता था, लेकिन बीते कुछ समय से उनके रिश्तों में जो दरार आई उसी के चलते नीतीश बाबू ने हरिवंश का पत्ता काट दिया था.उनके पिछले कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में उनकी जमकर सराहना की थी। उनका कहना था कि हरिवंश ने सदन चलाने में अच्छी भूमिका अदा की। इसके अलावा अपने अनुभव से राज्यसभा को समृद्ध किया है।

मोदीजी ने संकेत भी दे दिया था कि हरिवंश जी की राजनीतिक पारी अभी समाप्त नहीं हुई है और वह आगे भी जनहित में काम करते रहेंगे। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की वह टिप्पणी एक संकेत थी कि कैसे हरिवंश फिर से लौट सकते हैं और वही हुआ। हरिवंश का 9 अप्रैल को ही कार्यकाल समाप्त हुआ था और अगले ही दिन उन्हें नया मौका मिल गया है। पूर्व चीफ जस्टिस रंजन गोगोई का कार्यकाल समाप्त होने के बाद एक मनोनीत सांसद की सीट खाली थी। उसी स्थान पर हरिवंश को मौका मिला है। मोदीजी ने नीतीश बाबू को भी संकेत दे दिए हैं कि जिसे वे ठुकराएंगे, उसे भाजपा गले लगाएगी.

मुझसे उम्र में सिर्फ 2 साल बडे 69 साल के हरिवंश पहले ही दो बार राज्यसभा में बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह उच्च सदन के उपसभापति भी रहे हैं। इस दौरान सरकार की ताल में ताल मिलाकर व्यवस्था के साथ सदन का संचालन करने की उनकी काबिलियत ही मोशा को भा गई. हरिवंश का लंबे समय तक पत्रकारिता का अनुभव रहा है।वे जिस आखबार के कारण नीतीश बाबू के खास बने उसमें मेरा दामाद भी संपादक रह चुका है.हरिवंश को नीतीश कुमार करीबी माना जाता था और इसी कारण वह जेडयू कोटे से दो बार राज्यसभा पहुंच गए. हरवंश को तीसरी बार राज्यसभा में जाने के लिए जदयू का वंश छोडना पडा. अब वे नागपुरिया संस्कृति के संवाहक हैं. मेरी स्मृति में ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई व्यक्ति पहले किसी राजनीतिक दल से सांसद हुआ और उसे दोबारा राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया गया हो।

कम से कम हरिवंश सिंह के मामले में यही हुआ है। सवाल यह है कि क्या यह कला और संस्कृति विभूतियों के प्रति अन्याय नहीं है? हरवंश किसी कलाकार की राज्यसभा सीट खा गए। हरवंश को खैरात ही बांटना थी तो भाजपा उन्हे अपने कोटे से राज्यसभा भेज देती.हरिवंश को राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की सीट से मनोनित किया है। रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद यह सीट खाली हुई थी। हरिवंश का कार्यकाल 2032 तक रहेगा।

आपको बता दूं कि राज्यसभा में अधिकतम 250 सदस्य हो सकते हैं। अभी 245 सदस्य हैं। इनमें से 12 सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा मनोनित किया जाता है। कला, साहित्य, विज्ञान और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वालों को राष्ट्रपति द्वारा सांसद बनाया जाता है। हरिवंश नारायण सिंह राजनेता बनने से पहले लंबे समय तक पत्रकार रहे। वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले हैं। हरिवंश ने तीसरी बार राज्यसभा जाने के लिए कुछ किया हो या न किया हो लेकिन मेरा मानना है कि उन्होंने अपने उस जमीर को जरूर गिरवी रख दिया है जो एक पत्रकार के रूप में उन्हे समय ने दिया था.

@ राकेश अचल

वैश्य फाउंडेशन महिला इकाई द्वारा पूल पार्टी का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्वालियर। वैश्य फाउंडेशन महिला इकाई द्वारा भारत वाटर पार्क में एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण पूल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में वैश्य फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश लोहिया, मुकेश गुप्ता, नीलेश बिंदल, अनुपम सिंघल एवं आलोक पहाड़िया संरक्षक ममता अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्रीमती किरण अग्रवालकोषाध्यक्ष, श्रीमती राखी मित्तल, श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती माधुरी अग्रवाल, श्रीमती अर्चना अग्रवाल एवं श्रीमती बबीता अग्रवाल सहित लगभग 125 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया और आपसी सहयोग एवं एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में जिला महामंत्री श्रीमती रश्मि गोयल द्वारा सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

सपनों से शिखर तक

विनायल इंडिया कॉन्फ्रेस में एसएमटी इंजीनियर्स लिमिटेड की ऐतिहासिक उड़ान

मुंबई के भव्य होटल सहारा स्टार में दिनांक 9 एवं 10 अप्रैल 2026 को आयोजित प्रतिष्ठित विनायल इंडिया कॉन्फ्रेस न केवल तकनीक और नवाचार का संगम बनी, बल्कि भारतीय उद्योग की वैष्विक ताकत का भी सशक्त मंच साबित हुई। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में देश-विदेश से आए 1200 से अधिक विशेषज्ञों, उद्योगपतियों एवं तकनीकी प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इसे एक ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया।

इसी गौरवमयी मंच पर इंदौर की प्रतिष्ठित कंपनी *साई मशीन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड, जो अब एसएमटी इंजीनियर्स लिमिटेड़* के नाम से जानी जाती है, ने भारतीय उद्योग का परचम वैष्विक स्तर पर लहराया। कंपनी के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर *श्री अजय जायसवाल पिता श्री अशोक कुमार जायसवाल* को इस विष्वस्तरीय कॉन्फ्रेस में तकनीकी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाना, केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एसएमटी इंजीनियर्स लिमिटेड़ की सोच, संघर्ष और सतत उत्कृष्टता की विजय गाथा है।

यह उल्लेखनीय है कि इस वैष्विक मंच पर मुख्य वक्ता के रूप में वही आमंत्रित किए जाते हैं, जिन्होंने अपने ज्ञान, नवाचार और अनुभव से उद्योग जगत को नई दिशा दी हो। ऐसे में *श्री अजय जायसवाल* का चयन इस बात का प्रमाण है कि *एसएमटी इंजीनियर्स लिमिटेड़* आज केवल एक कंपनी नहीं, नवाचार, गुणवत्ता और आत्मविष्वास का प्रतीक बन चुकी है।

अपने प्रेरणादायक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध संबोधन में *श्री अजय जायसवाल* ने नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित अपनी नई श्रृंखला श्व्श् च्टब् पाइप पर गहन एवं प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनका यह उद्बोधन केवल तकनीकी जानकारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने यह भी सिद्ध किया कि भारतीय इंजीनियरिंग प्रतिभा आज वैष्विक मानकों पर नेतृत्व करने में पूर्णतः सक्षम है।

इस ऐतिहासिक सहभागिता ने *एसएमटी इंजीनियर्स लिमिटेड़* को वैष्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई और यह स्पष्ट संदेश दिया कि इंदौर से उठी यह तकनीकी यात्रा अब अंतरराष्ट्रीय ऊँचाइयों को छू रही है।

यह अवसर एसएमटी इंजीनियर्स लिमिटेड़ के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा-एक ऐसा अध्याय जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, आत्मविष्वास और निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प बनेगा।

बाल विवाह सामाजिक कुरीति, इसे रोकने जागरूकता जरूरीः सीईओ

संकल्प से समाधान अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर आयोजित

हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में किया लाभ का वितरण

श्योपुर। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है, इसे रोकने के लिए समुदाय में जागरूकता बहुत जरूरी है, बाल विवाह निषेध अधिनियम अंतर्गत कठोर कार्यवाही का प्रावधान है तथा दो लाख रूपये तक जुर्माना एवं कारावास दोनो सजा शामिल है। वे आज निषादराज भवन में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय शिविर को संबोधित कर रही थी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीरज जाट, नगरपालिका उपाध्यक्ष संजय महाना, जिला पंचायत कृषि स्थाई समिति के सभापति गिरधारी बैरवा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज तोमर, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन, एसीईओ अजय उपाध्याय, महिला बाल विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार अम्ब, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण राकेश शर्मा, उप संचालक कृषि जीके पचौरिया, उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे, उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती शशिकिरण इक्का, सीईओ जनपद एसएस भटनागर, श्रीमती राजेश शर्मा, डॉ एसके सक्सैना, श्रीमती नेहा सिंह आदि उपस्थित थे।

सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने कहा कि सामुहिक विवाह सम्मेलनों के आयोजन से पूर्व वर-वधुओं की आयु का सत्यापन सुनिश्चित किया जायें तथा आयोजन की अनुमति संबंधित एसडीएम से प्राप्त की जायें। उन्होंने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शासन की विभिन्न 106 योजनाओं में हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया है। अभियान के तहत कुल 68 हजार 294 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 68 हजार 175 का निराकरण करते हुए 65 हजार 263 हितग्राहियों को योजनाओं में लाभ प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय ने अभियान को सफल बताते हुए कहा कि 65 हजार से अधिक हितग्राही लाभान्वित हुए है तथा शासन द्वारा घर-घर जाकर लाभ देने की कार्यवाही की गई है।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट ने कहा कि योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है, आवास योजना अंतर्गत पक्के आवास की सुविधा से लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीरज जाट ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान 12 जनवरी से शुरू हुआ, जिसमें प्रथम स्तर पर पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किये गये, इसी प्रकार कलस्टर, विकासखण्ड स्तर पर शिविरों का आयोजन कर लोगों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने की कार्यवाही की गई। नगरपालिका उपाध्यक्ष संजय महाना ने कहा कि अभियान के तहत नगरपालिका श्योपुर अंतर्गत वार्डो में शिविर लगाकर 7 हजार 636 आवेदन लिये गये तथा 5 हजार 645 लोगों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज तोमर ने कहा कि शासन द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, अभियान के तहत कुल 106 प्रकार की योजनाओं में लाभ प्रदान करने की कार्यवाही की गई है।

जिला पंचायत कृषि स्थाई समिति के सभापति गिरधारी बैरवा ने कहा कि गावं-गांव में शिविर लगाकर शासन की मंशा के अनुरूप लोगों को योजनाओं में लाभान्वित किया गया है।

कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीरज जाट द्वारा उपस्थित गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को बाल विवाह की रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन सुशील दुबे द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डिप्टी कलेक्टर संजय जैन द्वारा व्यक्त किया गया।

विभिन्न योजनाओं में हितलाभ का वितरण

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय शिविर के दौरान मंच से विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से हितलाभ का वितरण किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग अंतर्गत स्प्रीकंलर सेट प्रदाय करने के लिए 5 हितग्राही लाभान्वित किये गये। इसी प्रकार उद्यानिकी विभाग अंतर्गत पीएमईएफएमई योजना में दर्शन जैन, मुतजा अली को 15-15 लाख रूपये की ऋण राशि के चैक प्रदाय किये गये, इनके द्वारा क्रमशः बेकरी एवं फ्रूट ज्यूस इकाई की स्थापना की जायेगी, इसी प्रकार 8 अन्य हितग्राहियों को आटा चक्की, दुग्ध उत्पादन आदि के लिए ऋण राशि के चैक प्रदाय किये गये। आजीविका मिशन अंतर्गत 14 स्वसहायता समूहों को लगभग 60 लाख रूपये की सीसीएल राशि के चैक सौपे गये।

नवागत कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने पदभार ग्रहण किया

श्योपुर। नवागत कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा आज कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया गया, इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा, कराहल बीएस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं विजय शाक्य, तहसीलदार श्रीमती मनीषा मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी किये गये आदेश के तहत वर्ष 2015 बैच की आईएएस अधिकारी सुश्री शीला दाहिमा को श्योपुर कलेक्टर के रूप में पदस्थ किया गया है। उक्त आदेश के क्रम में नवागत कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय श्योपुर पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। श्योपुर जिले में आगमन पर नवागत कलेक्टर सुश्री दाहिमा का सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद सहित अन्य अधिकारियों द्वारा बुके भेंटकर स्वागत किया गया।

भारतीय प्रशासनीक सेवा की अधिकारी सुश्री शीला दाहिमा इसके पूर्व बैतूल में सीईओ जिला पंचायत, अपर संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल, एडिशनल सैकेटरी माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल तथा उप सचिव सहकारिता विभाग भोपाल के पद पर कार्य कर चुकी है।

जिला न्यायालय परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित

श्योपुर। माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कपिल मेहता की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय श्योपुर व रेडक्रॉस सोसाईटी के समन्वय से जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कपिल मेहता द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बहुमूल्य दान है, इसलिये सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही शिविर में उपस्थित सभी लोगों को रक्तदान करने हेतु प्रोत्साहित किया एवं रक्तदान करने से होने वाले लाभ के बारे में अवगत कराते हुये लोगो के मन में रक्तदान को लेकर फैली हुई भ्रांतियों को भी दूर किया। इस अवसर पर न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण, चेयरमेन सचिव उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, पैरालीगल वॉलेन्टियर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, आदि द्वारा 28 यूनिट का रक्तदान किया गया।

शिविर के दौरान जिला मुख्यालय पर पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अध्यक्ष व सचिव जिला अभिभाषक संघ, रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन, सचिव, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, जिला अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष व अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, पैनल अधिवक्तागण जिला चिकित्सालय से चिकित्सकगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व न्यायालयीन अधिकारी व कर्मचारीगण, सामाजिक कार्यकर्ता, पैरालीगल वॉलेटियर्स इत्यादि उपस्थित रहे।

एसएसपी धर्मवीर सिंह की इम्पैक्ट पुलिसिंग

- 3 साल के आँकड़ों में 2026 की पहली तिमाही सबसे सुरक्षित

- अपराधों में आई 33 प्रतिशत की बड़ी कमी

(जितेंद्र पाठक)

ग्वालियर। ग्वालियर में कानून व्यवस्था अब केवल कागजों पर नहीं,

बल्कि धरातल पर भी दिख रही है और अपराधियों के मंसूबों को पस्त कर रही है। एसएसपी धर्मवीर यादव द्वारा जिले की कमान संभालने के बाद अपनाई गईं 'प्रो-एक्टिव पुलिसिंग' और 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति का असर अब सरकारी आंकड़ों में स्पष्ट नजर आ रहा है। यदि पिछले तीन वर्षों (2024, 2025 और 2026) के शुरुआती तीन महीनों यानी 1 जनवरी से 31 मार्च (प्रथम त्रैमासिक) के आंकड़ों की तुलना की जाए, तो साल 2026 अब तक का सबसे सुरक्षित साल बनकर उभरा है और यह सब एसएसपी की सुदृढ़ कार्यप्रणाली का असर है।

मार्च 2024 में ग्वालियर एसएसपी का पदभार ग्रहण करने के बाद से ही धर्मवीर यादव ने पुलिसिंग के पारंपरिक ढर्रे को बदला। उन्होंने न केवल थानों की कार्यप्रणाली में कसावट लाई, बल्कि फील्ड पर तैनात पुलिसकर्मियों की जवाबदेही भी तय की। जून 2025 में 829 पुलिसकर्मियों के एक साथ किए गए ऐतिहासिक तबादलों ने विभाग में यह कड़ा संदेश दिया था कि पुलिस कर्मियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस प्रशासनिक कसावट का सीधा परिणाम है कि आज जिले में जघन्य अपराधों के ग्राफ में निरंतर गिरावट दर्ज की जा रही है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि एसएसपी धर्मवीर यादव के नेतृत्व में ग्वालियर पुलिस ने अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया है। बलात्कारः साल 2025 के प्रथम त्रैमासिक (63 मामले) की तुलना में, साल 2026 में बलात्कार की संख्या घटकर मात्र 27 रह गई है। यह 57.14 प्रतिशत की बड़ी गिरावट है।

सादा चोरीः वर्ष 2024 में दर्ज 121 मामलों के मुकाबले 2026 की इसी अवधि में केवल 59 मामले

कं0	श्रेणी	2026	2025	2024	कमी/वृद्धि का प्रति. 2025 से	कमी/वृद्धि का प्रति. 2024 से
01	हत्या	13	16	13	-18.75	0.00
02	हत्या का प्रयास	22	24	34	-8.33	-35.29
03	अपहरण धन के लिये	00	01	00	-100.00	0.00
04	अपहरण / अपयनन	86	77	72	11.69	19.44
05	बलवा	05	08	25	-37.50	-80.00
06	बलात्कार	27	63	54	-57.14	-50.00
	योग	153	189	198	-19.05	-22.73

सम्पत्ति संबंधी अपराधों के संबंध में जानकारी :-

कं0	श्रेणी		2026	2025	2024	कमी/वृद्धि का प्रति. 2025 से	कमी/वृद्धि का प्रति. 2024 से
01	डकैती		00	00	00	0.00	0.00
02	लुट		03	04	25	-25.00	-88.00
03	झपटमार		10	08	00	25.00	100.00
04	गृह भेदन		89	81	161	9.88	-44.72
05	सादा चोरी		59	81	121	-27.16	-51.24
06	वाहन चोरी	दो पहिया	192	178	333	7.87	-42.34
		चार पहिया	05	03	10	66.67	-50.00
07	पशु चोरी		05	07	04	-28.57	25.00
	योग		363	362	654	0.28	-44.50

अन्य माठतूपन्ठि/बीएनरस के अपराधों के संबंध में जानकारी :-

कं0	श्रेणी	2026	2025	2024	कमी/वृद्धि का प्रति. 2025 से	कमी/वृद्धि का प्रति. 2024 से
1	अन्य भाववि	1600	2036	2303	-21.41	-30.53
	महायोग	2116	2587	3155	-18.21	-32.93

सामने आए हैं, जो 51.24 प्रतिशत की कमी दर्शाते हैं।

कुल अपराधः वर्ष 2024 के प्रथम त्रैमासिक में दर्ज 3155 कुल अपराधों के मुकाबले, 2026 की इसी अवधि में यह संख्या घटकर मात्र 2116 रह गई है।

प्रबुद्ध वर्ग का बढ़ा भरोसा

ग्वालियर की जागरूक जनता और प्रबुद्ध वर्ग एसएसपी धर्मवीर यादव की इस कार्यप्रणाली की सराहना कर रहा है। अपराधों के महायोग में आई 32.93 प्रतिशत की कमी यह दर्शाती है कि शहर में कानून का इकबाल बुलंद है। एसएसपी ने न केवल पुलिसिंग को आधुनिक बनाया है, बल्कि जनता के बीच 'मित्र पुलिस' की छवि स्थापित कर ग्वालियर को सुरक्षित बनाने में सफलता हासिल की है।

40 साल पुराने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग ने बड़ागांव में की कार्रवाई

- पांच वन चौकी के स्टाफ सहित महिला वन बल रहा मौजूद, छह घंटे चली मुहिम

ग्वालियर। वन भूमि पर पसरे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग की कार्यवाही जारी है। वन भूमि की सुरक्षा व संरक्षण करने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन और वरिष्ठ वन अधिकारियों के मार्गदर्शन में बीते साल से एक विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में ग्वालियर वन मंडल के अंतर्गत वन परिक्षेत्र ग्वालियर, वन चौकी मुण्डे बाबा की बीट बड़ा गांव कक्ष क्रमांक 30 में शनिवार को वन विभाग की लगभग 20 बीघा वन भूमि अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया है। कार्यवाही में दो जेसीबी मशीन का सहयोग लिया गया। जबकि पांच वन चौकियों का मैदानी वन अमला मौजूद रहा।

वन विभाग से मिली जानकारी के

अनुसार उदयपुरा निवासी श्रीमती गुड्डी बाई जाटव और बंधौली निवासी अजय भार्गव के द्वारा बीते सालों से बीट बड़ागांव कक्ष क्रमांक 30 में अवैध अतिक्रमण कर खेती कर रहे थे। लगभग 20 बीघा वन भूमि पर तारफेंसिंग कर कब्जा भी कर रखा था।

जहां इस साल सरसों की फसल कर रखी थी। साथ ही लगातार शिकायतें मिल रही थीं। जब संयुक्त सर्वे सीमांकन कराया गया तो पता चला कि जिस भूमि में खेती हो रही है वह वन भूमि है और लगभग 40 साल से अवैध अतिक्रमण की चपेट में है। आखिरकार आनन फानन में ग्वालियर डीएफओ मुकेश पटेल के निर्देशन और एसडीओ मनोज जाटव के मार्गदर्शन में ग्वालियर रेंजर सुखदेश शर्मा शनिवार को अपने साथ जौरासी, मुण्डेबाबा, छोड़ा, बीलपुरा एवं लखनपुरा वन चौकी के प्रभारी सहित मैदानी वन अमला को साथ लेकर मौके पर पहुंचे। साथ ही अतिक्रमण हटाने के लिये दो जेसीबी मशीनों का भी सहयोग लिया गया। दोपहर दो बजे से शुरू हुई कार्यवाही शाम छह बजे तक चली। इस दौरान जेसीबी मशीन से सीटी खुदवाई गई। तारफेंसिंग की बागड़ तोड़कर बेजा कब्जा हटाया और अवैध अतिक्रमण मुक्त वन भूमि को मुण्डे बाबा वन चौकी के सुपुर्द की। वन अधिकारियों के अनुसार अवैध कब्जाधारी व दोनों आरोपी जमीन से संबंधित वैध कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सकें। उनके पास रजिस्ट्री या फिर वन विभाग की कोई एनओसी नहीं थी।

सवारी वाहन से महिला चोरों ने साठ हजार रुपए उड़ाये

ग्वालियर। बैंक में रुपए जमा कराने के लिए जा रही महिला के पर्स से दो महिला चोर साठ हजार रुपए चोरी कर ले गईं। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सराफ तिराहे की है। घटना का पता उस समय चला जब पीड़िता ऑटो से उतरी तो थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर संदेही महिला चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक कमानीपुल निवासी 27 वर्षीय मंजू जाटव पत्नी पवन जाटव गृहिणी है। 30 मार्च को दोपहर वह घर से सत्तर हजार रुपए लेकर बैंक में जमा करने के लिए जा रही थीं। घर के बाहर कमानी पुल से वह ऑटो क्रमांक एमपी07आरए 4405 में बाड़े के लिए सवार हुईं। ऑटो जब हनुमान चौराहे के पास पहुंचा तो वहां से दो महिलाएं ऑटो में सवार हुईं और उसके बगल में बैठ गईं। इसके बाद दोनों महिलाएं गांधी मार्केट में उतर गईं। सराफ तिराहे पर मंजू ऑटो से उतरी और किराया देने के लिए ऑटो चालक के पास पहुंची तो उसने बताया कि उसे शंका है कि जो दो महिलाएं कुछ देर पहले उतरी हैं, उन्होंने उसके पर्स से चोरी की है। इसका पता चलते ही उसने अपना पर्स चेक किया तो पता चला कि उसमें रखे साठ हजार रुपए चोरी हो गए है। मामले का पता चलते ही पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पास तीन गड्डी थीं। जिसमें दो सौ-सौ के नोट की तो एक पांच सौ रुपए के नोट की गड्डी थी। चोर महिलाएं दो गड्डी ले गईं, लेकिन तीसरी गड्डी उनके हाथ आने से बच गई है। पुलिस ने जब वहां पर लगे सीसीटीवी चेक किए तो पता चला कि महिलाएं ऑटो से उतरने के बाद एक ई रिक्शा में सवार होकर निकली हैं। अब पुलिस सीसीटीवी की मदद से महिला चोरों की तलाश में लग गई है।

युवक का शव मिला, पुलिस जांच में जुटी

ग्वालियर। शनिवार की सुबह एक युवक का शव हजीरा थाना पुलिस को शासकीय कन्या विद्यालय के पास मिला है। युवक कहां का रहने वाला है, कौन है और उसकी मौत कैसे हुई है, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर युवक की शिनाख्ती के प्रयास शुरू कर दिये है। हजीरा थाना पुलिस को शनिवार सुबह सूचना मिली थी कि एक युवक की लाश गैस गोदाम के समीप शासकीय कन्या विद्यालय के पास पड़ी हुई है। लाश पड़े होने का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पीएम हाउस पहुंचाकर मृतक की शिनाख्ती के प्रयास शुरू कर दिए। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस अफसरों का कहना है कि युवक की मौत कैसे हुई है, फिलहाल इसका पता नहीं चला है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र करीब तीस साल के करीब है और उसने सफेद शर्ट के साथ अण्डरवियर पहनी हुई है। मृतक का रंग गोरा और चेहरे पर दाढ़ी व मूंछ है। पुलिस अब पता लगा रही है कि युवक के साथ कोई घटना घटी है या फिर उसकी बीमारी या हार्ट अटैक से मौत हुई है। पुलिस मृतक की शिनाख्ती के प्रयास कर रही है।

आदतन अपराधी शातिर वाहन चोर पकड़ा

ग्वालियर। डबरा सिटी थाना

पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर आदतन अपराधी को पकड़कर उससे एक चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस को गिरफ्त में आये वाहन चोर के खिलाफ दतिया जिले के थाना बडौनी में 12 अपराध तथा थाना डबरा सिटी में 03 अपराध दर्ज हैं। आरोपी का थाना डबरा सिटी के गुंडा लिस्ट में नाम दर्ज किया गया है। पुलिस बदमाश से पूछताछ कर रही है।

एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार ने बताया कि डबरा सिटी थाना पुलिस ने एक आदतन अपराधी और शातिर वाहन चोर राजा उर्फइन्दर सिंह परमार पुत्र रणवीर सिंह परमार आयु 35 साल निवासी ग्राम ओरीना थाना बड़ोनी जिला दतिया हाल टेंकिंग ग्राउण्ड के पास डबरा को पकड़ा है। थाना प्रभारी डबरा सिटी संजय शर्मा ने बताया कि डबरा थाना क्षेत्र से एक बाइक चोरी हुई थी। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि शातिर वाहन चोर राजा उर्फ इंदर चोरी की बाइक लेकर उसे बेचने की फिराक में टेंकिंग ग्राउण्ड के पास बैठा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर शातिर चोर राजा उर्फइन्दर को धर दबोचा। पुलिस ने राजा को हिरासत में लेकर जब उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके पास जो बाइक है वह उसने तीन अप्रैल को पशु अस्पताल के सामने से चोरी की थी। पुलिस को जांच में पता चला कि राजा पर थाना बडौनी जिला दतिया में 12 अपराध तथा थाना डबरा सिटी में 03 अपराध दर्ज है और उसका नाम डबरा सिटी की गुंडा लिस्ट में भी शामिल है। पुलिस ने बदमाश से चोरी की एक मोटर सायकिल को भी जब्त किया है।

नाबालिगा के साथ दुष्कर्म का आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। नाबालिगा को डरा धमकाकर उसके घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात करने वाले दुष्कर्मी को हजीरा थाना पुलिस ने वारदात के 24 घंटे के अंदर धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हजीरा थाना क्षेत्र में रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ आयुष खटीक ने 10 अप्रैल को उसके घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की तभी पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि दुष्कर्म का आरोपी आयुश खटीक मकजमार पुल के पास शा.मा. स्कूल के पास कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमे मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आयुष को धर दबोचा। पुलिस आयुष से पूछताछ कर रही है।

वारदात को अंजाम देने कट्टा लेकर घूम रहा बदमाश पकड़ा

ग्वालियर। वारदात को अंजाम देने के लिए कट्टा लेकर घूम रहे एक बदमाश को क्राइम ब्रांच व थाटीपुर थाना पुलिस ने कन्या विद्यालय के पास से पकड़ा है। पकड़े गए बदमाश की तलाशी में उसके पास से एक कट्टा और जिन्दा राउण्ड बरामद किया है। पुलिस अब पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह किस वारदात को अंजाम देने के लिए आया था।

डीएसपी क्राइम ब्रांच नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक बदमाश थाटीपुर इलाके में हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। इसका पता चलते ही थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच अमित शर्मा व थाटीपुर थाना प्रभारी विपेन्द्र सिंह को आरोपी को पकड़ने का टास्क दिया। जिस पर क्राइम ब्रांच व थाटीपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में संदेही को शासकीय कन्या विद्यालय के पास से पकड़ा है। पकड़े गए संदेही की तलाशी ली तो उसके पास से एक कट्टा और जिन्दा कारतूस बरामद किया है। पकड़े गए बदमाश की पहचान जतिन उर्फआयुष पुत्र धर्मेन्द्र कोरकू (आदिवासी) उम्र 19 वर्ष निवासी भीमनगर कुम्हरपुरा थाटीपुर के रूप में हुई है। अब पुलिस टीम पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह किस वारदात को अंजाम देने के लिए आया था।

पुलिस जवान के सरकारी क्वॉर्टर से गहने और नगदी चोरी

ग्वालियर। बेखौफ चोरों ने शासकीय बैरक क्वॉर्टर में एक पुलिस जवान के सूने घर के ताले उस समय चटका दिए, जब वह परिवार के साथ गोवर्धन गया था। चोरी की घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के सरकारी बैरिक क्वॉर्टर की है। घटना का पता उस समय चला जब चौकीदार ने उन्हें सूचना दी तो वह वापस आए और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

थाटीपुर थाना क्षेत्र के सरकारी बैरक क्वॉर्टर निवासी देवकी नंदन तिवारी पुलिस जवान है। मंगलवार को संजीव तिवारी अपने परिवार के साथ गोवर्धन परिक्रमा के लिए गए थे और क्वॉर्टर पर ताले डाल गए थे। सूना घर देखकर चोरों ने धावा बोला और ताले चटका कर अंदर पहुंचे। यहां पर पूरे घर की इत्मीनान से तलाशी लेने के बाद अलमारी में रखे सोने व चांदी के जेवर के साथ ही नकदी पंद्रह हजार रुपए चोरी कर ले गए। घटना का पता सुबह चला जब चौकीदार ने उनके घर के ताले टूटे देखे तो उन्हें सूचना दी। चोरों का पता लगाने के लिए थाटीपुर थाना पुलिस अब इस इलाके में आने और जाने के रास्तों पर लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, जिससे चोरों का पता लगाया जा सके।

निगम आयुक्त ने अधिकारियों के साथ किया पृथ्वी ताल का निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वार्ड 61 में पृथ्वी ताल के सौंदर्यकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शनिवार को निगम आयुक्त संघ प्रिय निगम अधिकारियों के साथ पृथ्वी ताल पहुंचे और यहां का निरीक्षण किया।

पृथ्वी ताल का निरीक्षण करने पहुंचे निगम आयुक्त ने पृथ्वी ताल की एप्रोच रोड को और बेहतर बनाने, क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने तथा शेष छोटे-मोटे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। करीब 7.27 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला पृथ्वी ताल जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। परियोजना के तहत तालाब में जमा गाद और सिल्ट की सफाई कर उसकी जलधारण क्षमता को बढ़ाया जा रहा है, जिससे वर्षा जल का अधिक संचयन संभव हो सकेगा। साथ ही जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए जलीय पौधों का उपयोग भी किया जाएगा। नगर निगम द्वारा इस परियोजना पर लगभग 3.49 करोड़

रुपये (जीएसटी सहित) की लागत से कार्य कराया जा रहा है। प्रमुख कार्यों में तालाब के दोनों ओर सफाई, जल निकासी चैनलों का सुदृढ़ीकरण, एप्रन पर स्टोन पिचिंग और वॉकिंग ट्रैक का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त नागरिकों की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था, आधुनिक लाइटिंग सिस्टम तथा हरित क्षेत्र का विकास भी किया जा रहा है। इस पहल से न केवल शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी, बल्कि जैव विविधता को भी नया जीवन मिलेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में यहां लगभग 120 प्रकार की पक्षी प्रजातियां देखी जा सकेंगी, जिससे यह क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाएगा। इस अवसर पर अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, मुनीश सिंह सिकरवार, कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, पवन सिंघल, उपायुक्त मुकेश बंसल, सहायक यंत्री अमित गुप्ता, पवन शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रमौआ डैम और ई बस स्टैंड का किया निरीक्षण

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने रमौआ स्थित ई बस स्टैण्ड का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य को तेज गति से करने के निर्देश दिए। उन्होंने रमौआ ई बस स्टैण्ड का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करना तथा आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इससे पहले निगम आयुक्त ने रमौआ डैम का भी निरीक्षण कर डैम को विकसितएवं वॉटर स्पोर्टस के लिए तैयार तथा आसपास हरियाली के लिए विकसित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

महात्मा ज्योतिराव फुले को जयंती पर कांग्रेस ने किया नमन

ग्वालियर। महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले की 199वीं जयंती पर

गोल पहाड़िया स्थित ज्योतिराव फूले की प्रतिमा को कांग्रेसियों ने माला पहनाकर नमन कर पुष्पांजली अर्पित की। इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले के कार्यों को सब स्मरण करते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन का मूल उद्देश्य स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करना, बाल विवाह का विरोध, विधवा विवाह का समर्थन करना रहा, फूले समाज की कुप्रथाएं अंधश्रद्धा के जाल से समाज को मुक्त करना चाहते थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन स्त्रियों को शिक्षा प्रदान कराने एवं स्त्रियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में व्यतीत किया। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, प्रदेश सचिव राहुल शर्मा, संगठन महामंत्री इब्रमहिम पठान, श्रीमती रचना कुशवाह, सुग्रीव कुशवाह, पूरन सिंह कुशवाह, भूपेन्द्र तोमर, तरुण यादव, राजेश बाबू, श्रीमती लक्ष्मी माथुर, श्रीमती पूनम प्रजापति सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सत्येन्द्र शर्मा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की

महान समाज सुधारक, शोषितों और वंचितों के प्रखर स्वर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर गोल पहाड़िया स्थित प्रतिमा पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सत्येन्द्र शर्मा ने साथियों के साथ माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ता साथी एवं समाजसेवक उपस्थित रहे।

महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। लगातार बढ़ रहे महिला उत्पीड़न, अत्याचार, दुराचार, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों को लेकर कांग्रेस जिला महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति सिंघल पाठक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुमन गुर्जर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति सिंघल पाठक ने कहा कि ग्वालियर सहित पूरे प्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अपराध चिंता का विषय हैं। भाजपा सरकार के राज में महिलाएं घर से बाहर निकलने में खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। अपराधियों के हौसले बुलंद

हैं और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। प्रदेश में बहन-बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है। जब सरकार अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम हो जाती है, तब समाज में भय और अराजकता का माहौल बनता है। भाजपा सरकार केवल भाषणों में महिला सम्मान की बात करती है। कांग्रेस नेत्रियों ने चेतावनी दी कि यदि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस पार्टी जनआंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन देने वालों में प्रीति शर्मा, रेनू चौहान, अनीता पाल, रेखा जाटव, लक्ष्मी शर्मा, ममता सिकरवार, राममूर्ति शर्मा, आशा, कमलेश परिहार, सुमन परिहार, रामा परिहार, ममता सेन आदि शामिल थी।

ब्रांड एंबेसडर ने चलाया जल संरक्षण को लेकर विशेष अभियान

ग्वालियर। वाटर वूमेन ब्रांड एंबेसडर सावित्री श्रीवास्तव के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सूरजकुंड क्षेत्र में स्वच्छता एवं जल संरक्षण को लेकर एक विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया।

इस अभियान में केआरजी कालेज की टीम एवं एनएसएस के 20 स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही डिप्स नीर संस्था के कर्मचारी, डॉ अर्चना सेन एवं रवि नंदीतिया ने मिलकर परिसर की सफाई की तथा जल स्रोत को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने बताया कि स्वच्छ जल स्रोत ही स्वस्थ समाज की पहचान है। अतः सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे जल स्रोतों की सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

संपादकीय

सीमा से परे सीखनाः आयु सिर्फ एक संख्या है

डॉ विजय गर्ग

शिक्षा को अक्सर बचपन और युवावस्था से जोड़ा जाता है, लेकिन वास्तव में सीखने की कोई आयु सीमा नहीं होती। यह विचार कि शिक्षा केवल युवाओं के लिए है, धीरे-धीरे लुप्त होता जा रहा है, क्योंकि अधिकाधिक लोगों को यह एहसास हो गया है कि ज्ञान प्राप्त करने में आयु सिर्फ एक संख्या है। चाहे कोई बच्चा हो, कामकाजी व्यक्ति हो या सेवानिवृत्त व्यक्ति हो, सीखने की इच्छा जीवन के किसी भी चरण में शुरू हो सकती है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, सीखना एक बार की उपलब्धि के बजाय आजीवन आवश्यकता बन गया है। नई प्रौद्योगिकियां, विकसित हो रहे करियर और बदलती जीवनशैली निरंतर शिक्षा की मांग करती हैं। लोग स्कूल वापस जा रहे हैं, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन कर रहे हैं, या अपने बाद के वर्षों में भी नए कौशल सीख रहे हैं। इससे पता चलता है कि शिक्षा केवल कक्षाओं या किसी विशिष्ट आयु वर्ग तक ही सीमित नहीं होती - यह एक निरंतर यात्रा है। ऐसे व्यक्तियों के अनगिनत प्रेरणादायक उदाहरण हैं जिन्होंने अपने जीवन में आगे बढ़कर शिक्षा प्राप्त की और उल्लेखनीय सफलता हासिल की। कई वयस्क अधूरी डिग्री प्राप्त करने, नई भाषाएं सीखने या ऐसे कौशल हासिल करने के लिए लौटते हैं जो नए अवसरों का द्वार खोलते हैं। उनका दृढ़ संकल्प यह सिद्ध करता है कि मानव मन चाहे किसी भी उम्र का हो, विकास और वृद्धि करने में सक्षम रहता है। वृद्धावस्था में सीखने के भी अनोखे फायदे हैं। परिपक्व शिक्षार्थियों के पास अक्सर स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत प्रेरणा और मूल्यवान जीवन अनुभव होता है जो उनकी समझ को बढ़ाता है। वे शिक्षा के प्रति गंभीरता और समर्पण से पेश आते हैं, जिससे उनकी सीखने की प्रक्रिया अधिक सार्थक और प्रभावी हो जाती है। इसके अलावा, बाद के वर्षों में शिक्षा मानसिक कल्याण में योगदान देती है। यह मस्तिष्क को सक्रिय रखता है, स्मृति में सुधार करता है और उद्देश्य की भावना प्रदान करता है। शिक्षण गतिविधियों में शामिल होने से अलगाव की भावना को भी कम किया जा सकता है, विशेष रूप से वृद्धों के बीच, उन्हें नए समुदायों और विचारों से जोड़कर।

डिजिटल प्लेटफार्मों के उदय ने शिक्षा को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। ऑनलाइन पाठ्यक्रम, आभासी कक्षाएं और स्व-गति सीखने के अवसर लोगों को कभी भी और कहीं भी अध्ययन करने की अनुमति देते हैं। इस लचीलेपन ने आयु, समय और स्थान की पारंपरिक बाधाओं को तोड़ दिया है, जिससे शिक्षा वास्तव में सार्वभौमिक हो गई है।

हालाँकि, समाज को आजीवन शिक्षा को प्रोत्साहित और समर्थन करना जारी रखना चाहिए। शैक्षिक संस्थानों, सरकारों और समुदायों को समावेशी वातावरण बनाना चाहिए जहां सभी आयु वर्ग के लोग शिक्षार्थियों के रूप में स्वागत और मूल्यवान महसूस करें। देर से सीखने के साथ जुड़े कलंक को दूर करना एक अधिक ज्ञानवान और सशक्त समाज का निर्माण करने के लिए आवश्यक है।

निष्कर्षतः, शिक्षा आयु तक सीमित नहीं है। यह एक आजीवन यात्रा है जो मन और आत्मा को समृद्ध करती है। चाहे कोई जल्दी या देर से शुरुआत करे, वास्तव में सीखने की इच्छा ही मायने रखती है। आखिरकार, उम्र सिर्फ एक संख्या है, लेकिन ज्ञान कालातीत है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलौट पंजाब

बचपन की बेफिक्री बनाम बड़ों की चिंताः खो जाती हैं मासूम संवेदनाएं

उसके लिए मिट्टी भी खिलौना हो सकती है। वह जो कुछ अपने आसपास देखता है, उसे ही जिज्ञासावश छूता है, महसूस करता है और अपना मनोरंजन करता है।बालपन की जो सबसे आकर्षक प्रवृत्ति है बच्चों की बेफिक्री, उनका मस्तानापन

जब भी हम छोटे बच्चों को देखते हैं तो कहते हैं कि जीवन के सबसे खूबसूरत पल बचपन के होते हैं। कोई चिंता नहीं होती। जब जी चाहा खाया, जब जी चाहा सोए और अपने मन की चीज चाहने की जिद की। सामान्य परिस्थितियों में वह चाहत अक्सर पूरी भी हो जाती है। पर जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारा अल्हड़पन धीरे-धीरे गायब होने लगता है। जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी इच्छाएं मात्र प्राकृतिक आवश्यकताओं तक सीमित होती हैं। इसके बाद धीरे-धीरे उसकी मनोरंजन की आवश्यकता प्रकट होती है, पर यह अनिवार्य नहीं कि उसे किसी खास तरह के खिलौनों की आवश्यकता हो। उसके लिए मिट्टी भी खिलौना हो सकती है। वह जो कुछ अपने आसपास देखता है, उसे ही जिज्ञासावश छूता है, महसूस करता है और अपना मनोरंजन करता है।बालपन की जो सबसे आकर्षक प्रवृत्ति है बच्चों की बेफिक्री, उनका मस्तानापन। ये बेफिक्री जीवन में हमेशा ही एक बार फिर से प्रत्येक व्यक्ति के भीतर बच्चा बन जाने की इच्छा बनाए रखने के लिए मजबूर कर देती है। शायद इसीलिए सुदर्शन फाकिर ने लिखा है कि 'ये दौलत भी ले लो... ये शोहरत भी ले लो, भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी... मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन..!' दरअसल, बचपन ऐसा होता है कि उसे फिर से पाने के लिए एक बार सब कुछ लुटा देने को जी चाहता है। एक बच्चे की सबसे अद्भुत शक्ति होती है उसके भीतर बसने वाला असीम विश्वास। ऐसा विश्वास जो उसे कभी उदास नहीं होने देता। अगर वह एक पल रोता है, तो दूसरे ही पल फिर हंसकर अपने खेल में लग जाता है। बच्चा या तो हंसता है या रोता है, उदास नहीं होता। उसे मानो कोई चिंता नहीं होती कुछ खोने की। यों भी, वह क्या खोएगा? उसके पास जिस समय जो होता है, उसे ही वह अपना सर्वस्व मान लेता है। हम कभी ध्यान से किसी छोटे बच्चे को खेलते हुए देखें, तो पाएंगे कि अगर वह किसी एक खिलौने से खेल रहा है और उसे कोई दूसरा खिलौना मिल जाता है कहीं से, तो वह पहले वाला खिलौना छोड़कर दूसरे से खेलने में लग जाता है। वह यह बिल्कुल नहीं सोचता कि पहले वाले खिलौने को जाकर कहीं छिपा दूं या ताले में बंद कर दूं और उसके बाद दूसरे से खेलूं। वह सहज ही पहले को छोड़ता है और दूसरे से अपनी जिज्ञासा शांत करने में लग जाता है। यानी वह पूरी तरह से वर्तमान में जीता है। न तो वह पहले वाले खिलौने को याद करता है और न ही यह सोचता है कि अब उसे अगला कौन-सा खिलौना मिलने वाला है। जब उसे किसी चीज की जरूरत होती है, तो सब कुछ छोड़कर रोना शुरू कर देता है। उसके पूरा होते ही रोना भूलकर फिर खेलने लगता है। उसे इस बात का भी दुख नहीं होता कि उसे रोना पड़ा। उसके पास अहंकार नहीं होता, जिसे रोने से या किसी से गुहार लगाने में चोट महसूस हो।इसके विपरीत, अगर हम अपनी बात करें तो हमारी स्थिति बिल्कुल इसके उलट है। हम अपने दिन का ज्यादातर हिस्सा फिक्र करने और उदास रहने में बिता देते हैं। हम या तो अतीत के दुखों में डूबे रहते हैं या भविष्य की चिंता में। सूरज की रोशनी हम पर उतना प्रकाश नहीं डाल पाती, जितना बीत चुकी रात या आने वाली रात का अंधेरा हमें खुद में डुबोए रखता है। इस चिंता के पीछे वास्तव में हमारा

अपना अहंकार होता है, जो हमें सब कुछ का नियंता मानने और अपने नियंत्रण में रखने को प्रेरित करता है। हम न केवल अपने जीवन को नियंत्रित करना चाहते हैं, बल्कि उससे भी आगे बढ़कर अपने परिवार के लोगों, दोस्तों, पड़ोसियों पर भी अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं। गौर से विश्लेषण करने पर ये पता चलेगा कि जीवन में रहने वाला अधिकतर तनाव हमें अपनी जीवनरूपी गाड़ी को नियंत्रित करने से नहीं मिलता, बल्कि सबकी गाड़ी के रिमोट कंट्रोल को हासिल करने की कोशिश में लगे रहने से मिलता है।

हम मुट्ठी बांधकर आते हैं इस संसार में और हाथ पसारकर चले जाते हैं। वास्तव में प्रकृति, जीवन की शुरुआत और अंत के बीच एक यात्रा की मंजिल शुरू से ही तय कर देती है।

मतलब हम बंधकर आते हैं और हमें मुक्त होकर जाना है।

जीवन वास्तव में बंधन से मुक्ति की यात्रा है। जिस तरह एक छोटा बच्चा अपने माता-पिता पर अपने आप से ज्यादा विश्वास करता है और किसी भी तरह की चिंता से मुक्त रहता है, ठीक वैसे ही मनुष्य को भी अपने विवेक पर विश्वास रखते हुए कर्म करना चाहिए। प्रकृति हमें उन्हीं संसाधनों से विराजती है, जिसकी हम पात्रता रखते हैं। इसलिए हमारे सारे कर्म और हमारी सारी ऊर्जा अपनी पात्रता को बढ़ाने और बनाए रखने में लगनी चाहिए। जिस तरह एक ही माता-पिता की हर संतान अपने जीवन में अलग-अलग मंजिलें तय करती हैं, ठीक उसी तरह हर मनुष्य को प्रकृति ने जीवन दिया है और उसे आकार देने वाले संसाधन भी। सबकी अपनी यात्रा है और जीवन के स्थूल लक्ष्य भी भिन्न हैं। मगर प्रकारांतर से मंजिल सबकी एक है। हमें सब पाना है, खेलना है, सीखना है और उसे किसी और के लिए छोड़ते जाना है। समेटने में अपनी ऊर्जा नहीं गंवानी चाहिए, क्योंकि तब बहुत से खिलौने अछूते रह जाएंगे और हम तमाम नई सीखों से वंचित रह जाएंगे।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें।

'यदि आप हृदय की देखभाल करते हैं, तो आप मस्तिष्क की भी देखभाल करते हैं

डॉ विजय गर्ग

पीढ़ियों से हृदय भावना और जीवन शक्ति का प्रतीक रहा है, जबकि मस्तिष्क को विचार और बुद्धि के केंद्र के रूप में देखा गया है। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान एक गहन सत्य को उजागर करता हैः ये दोनों अंग गहराई से जुड़े हुए हैं। एक की देखभाल करने से दूसरे को सीधा लाभ होता है। 'स्वस्थ हृदय, स्वस्थ मन' वाक्यांश अब सिर्फ एक कहावत नहीं है। यह एक चिकित्सा वास्तविकता है।

हृदय मस्तिष्क कनेक्शन

हृदय और मस्तिष्क रक्त वाहिकाओं, तंत्रिकाओं और रासायनिक संकेतों के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। मस्तिष्क हृदय द्वारा पंप किए जाने वाले ऑक्सीजन युक्त रक्त के स्थिर प्रवाह पर निर्भर करता है। इस प्रवाह में एक संक्षिप्त व्यवधान भी मस्तिष्क के कार्य को प्रभावित कर सकता है। इसी तरह, मस्तिष्क हृदय गति, रक्तचाप और समग्र हृदय गतिविधि को नियंत्रित करता है।

जब दिल संघर्ष करता है, तो मस्तिष्क कष्ट उठाता है। रक्त प्रवाह में कमी से याददाश्त, एकाग्रता प्रभावित हो सकती है और स्ट्रोक जैसी स्थितियों का खतरा भी बढ़ सकता है। दूसरी ओर, मस्तिष्क का खराब स्वास्थ्य - विशेष रूप से दीर्घकालिक तनाव या चिंता - रक्तचाप को बढ़ा सकता है और हृदय पर दबाव डाल सकता है।

साझा जोखिम कारक

दिल को नुकसान पहुंचाने वाले कई कारक मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इनमें शामिल हैंः

उच्च रक्तचाप

खराब आहार

शारीरिक गतिविधि का अभाव

धूम्रपान और शराब का सेवन

दीर्घकालिक तनाव

उदाहरण के लिए, अनियंत्रित उच्च रक्तचाप न केवल हृदय रोग का जोखिम बढ़ाता है, बल्कि संज्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश जैसी स्थितियों में भी योगदान देता है। यह ओवरलैप स्वास्थ्य को अधिक एकीकृत तरीके से देखने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

जीवनशैली की भूमिका

अच्छी खबर यह है कि एक जैसी स्वस्थ आदतें दोनों अंगों की रक्षा करती हैं। उदाहरण के लिए, नियमित व्यायाम हृदय को मजबूत करता है तथा मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में भी सुधार करता है, जिससे स्मृति और मनोदशा बढ़ती है। पैदल चलना, साइकिल चलाना या योग जैसी गतिविधियां महत्वपूर्ण अंतर ला सकती हैं।

फल, सब्जियां, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा से भरपूर संतुलित आहार हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करता है और मस्तिष्क कोशिकाओं को पोषण देता है। मेवे, बीज और पत्तेदार साग जैसे खाद्य पदार्थ विशेष रूप से लाभदायक हैं।

नींद एक और महत्वपूर्ण कारक है।

खराब नींद हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती है और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे ध्यान केंद्रित करने में कमी आती है तथा भावनात्मक असंतुलन होता है।

मानसिक स्वास्थ्य मायने रखता है

इस संबंध में भावनात्मक कल्याण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दीर्घकालिक तनाव, चिंता और अवसाद हृदय स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डाल सकते हैं। तनाव हार्मोन में वृद्धि से हृदय गति और रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे दीर्घकालिक तनाव उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही, सीखने, पढ़ने या रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मस्तिष्क को शामिल करने से मानसिक लचीलापन में सुधार हो सकता है और तनाव के स्तर को कम करके अप्रत्यक्ष रूप से हृदय को लाभ मिल सकता है।

इलाज से बेहतर रोकथाम है

नियमित स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप की निगरानी और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना हृदय और मस्तिष्क दोनों विकारों को रोकने में बहुत सहायक हो सकता है। समस्याओं का शीघ्र पता लगाने से जटिलताओं के जोखिम में काफी कमी आ सकती है।

सरल दैनिक आदतें जैसे सीढ़ियां चढ़ना, ध्यानपूर्वक भोजन करना, सामाजिक रूप से जुड़े रहना और विश्राम तकनीकों का अभ्यास करना समग्र कल्याण के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए एक समग्र दृष्टिकोण

हृदय और मस्तिष्क के बीच का संबंध हमें याद दिलाता है कि शरीर अलग-थलग होकर काम नहीं करता। सच्चा स्वास्थ्य संतुलन में है। हृदय की देखभाल करके, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि मस्तिष्क को आवश्यक पोषण मिले। मन का पोषण करके हम दिल पर बोझ कम करते हैं।

अंततः, संदेश स्पष्ट हैः एक की देखभाल करना दोनों की देखभाल करना है। एक स्वस्थ जीवन अलग-अलग प्रयासों से नहीं, बल्कि एक एकीकृत दृष्टिकोण के साथ शुरू होता है - जहां स्वास्थ्य की यात्रा में हृदय और मस्तिष्क को भागीदार माना जाता है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

शिक्षा का बाजारः न्याय और समानता के लिए खतरा

निजी शिक्षण संस्थान भारी फीस वसूल कर शिक्षा को केवल धनी वर्ग तक सीमित कर देते हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार बंद हो जाते हैं।इसके साथ ही, विपणन भी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। कभी-कभी संस्थानों का ध्यान छात्रों के पूर्ण विकास के बजाय परिणामों और प्रचार पर केंद्रित हो जाता ह

डॉ. विजय गर्ग

आज के समय में शिक्षा को एक सेवा के बजाय व्यापार के रूप में देखने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। शिक्षा का विपणन, जिसमें शिक्षा को खरीद-फरोख्त जैसी चीज बनाया जाता है, देश के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करती है, बल्कि सामाजिक असमानताओं को भी बढ़ा देती है।शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र निर्माण, सोचने की क्षमता और सामाजिक दायित्व को विकसित करना है। लेकिन जब शिक्षा को लाभ के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका केंद्र ज्ञान से हटकर धन पर आ जाता है। निजी शिक्षण संस्थान भारी फीस वसूल कर शिक्षा को केवल धनी वर्ग तक सीमित कर देते हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार बंद हो जाते हैं।इसके साथ ही, विपणन भी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। कभी-कभी संस्थानों का ध्यान छात्रों के पूर्ण विकास के बजाय परिणामों और प्रचार पर केंद्रित हो जाता है। डिग्री को एक उत्पाद की तरह बेचने की सोच शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को कमजोर कर देती है।शिक्षा का विपणन शिक्षकों की भूमिका को भी प्रभावित करता है। शिक्षकों को ज्ञान के मार्गदर्शक के स्थान पर सेवा प्रदाता के रूप में देखा जाता है। इससे शिक्षक-छात्र संबंधों की गहराई कम हो जाती है और सीखने की प्रक्रिया मशीनीकृत हो जाती है।इस प्रवृत्ति का एक और खतरनाक पहलू यह है कि इससे समाज में असमानता बढ़ जाती है। जिनके पास पैसा होता है, वे बेहतर शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि गरीब वर्ग पीछे रह जाता है। इससे सामाजिक न्याय और समानता के मूल सिद्धांतों को झटका लगता है।

इस समस्या का समाधान यह है कि सरकार और समाज दोनों मिलकर शिक्षा को एक अधिकार के रूप में सुरक्षित करें। सरकारी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने, फीस पर नियंत्रण रखने तथा सभी वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की आवश्यकता है। साथ ही, शिक्षा में नैतिक सिद्धांतों को पुनः स्थापित करना भी आवश्यक है।प्राचीन काल में शिक्षा को 'दान' और एक पवित्र सेवा माना जाता था। गुरु-चेला परम्परा में ज्ञान का आदान-प्रदान सर्वोत्तम कार्य था। लेकिन आज के समय में शिक्षा एक ऐसी 'उत्पाद' बन गई है, जिसे बाजार में बेचा और खरीदा जा रहा है। शिक्षा के इस व्यापारिक रूप को ही 'शिक्षा का विपण्यीकरण' कहा जाता है।अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई शिक्षा के विपणन का सबसे घातक प्रभाव यह है कि यह समाज को दो हिस्सों में विभाजित कर रहा है। महंगे निजी स्कूल और विश्वविद्यालय केवल अमीर वर्ग के लिए हैं। दूसरी ओर, गरीब वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चे साधनों की कमी के कारण उच्च कोटि की शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। यह प्रथा देश में समानता की अवधारणा को समाप्त कर रही है।

लाभ के स्थान पर गुणवत्ता जब शिक्षा एक व्यवसाय बन जाती है, तो संस्थानों का मुख्य उद्देश्य 'ज्ञान बांटना' नहीं बल्कि 'लाभ कमाना' होता है। कई निजी संस्थान बहुत अधिक शुल्क लेते हैं, लेकिन वहां न तो योग्य शिक्षक होते हैं और न ही आवश्यक बुनियादी ढांचा। परिणामस्वरूप, छात्रों के पास डिग्री होती है, लेकिन कौशल की भारी कमी रहती है।मानसिक तनाव और प्रतिस्पर्धा बाज़ारीकरण ने शिक्षा को एक अंधाधुंध दौड़ बना दिया है। कोचिंग केंद्रों और निजी संस्थानों ने छात्रों पर सौ प्रतिशत अंक लेने का इतना दबाव डाला है कि बच्चों की बचपन और रचनात्मकता समाप्त हो रही है। इस दबाव के कारण अक्सर छात्रों में मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाएं होती हैं।

नैतिकता का पतन शिक्षा का उद्देश्य अच्छे इंसानों को बनाना था, लेकिन व्यावसायिक माहौल में छात्र खुद को 'ग्राहक' के रूप में समझने लगे हैं। जब शिक्षा खरीदी जाती है, तो शिक्षक और छात्र का पवित्र संबंध समाप्त हो जाता है और उसे 'सेवा प्रदाता' और 'ग्राही' तक सीमित कर दिया जाता है। इससे समाज में नैतिक मूल्यों की गिरावट आती है।

खोज और मौलिकता की कमी बाजार केवल वही बेचता है जिसकी मांग होती है। इसी प्रकार, शिक्षा के बाज़ारीकरण के कारण केवल 'बाजार-उन्मुख' पाठ्यक्रमों (जैसे इंजीनियरिंग, प्रबंधन) पर ही जोर दिया जा रहा है। साहित्य, इतिहास, दर्शन और बुनियादी विज्ञान जैसे विषय पीछे छूट रहे हैं, जो किसी भी राष्ट्र की बौद्धिक उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि शिक्षा का विपणन देश के भविष्य के लिए घातक है। यदि शिक्षा को केवल व्यापार बनने से नहीं रोका गया, तो इससे समाज में असमानता और अन्याय और गहरा हो जाएगा। इसलिए शिक्षा को एक पवित्र जिम्मेदारी और सामाजिक अधिकार के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

डॉ. विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट

जो बच्चे भविष्य थे, वही खतरे मेंः बाल तस्करी के जाल पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

गौरतलब है कि बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें।

गौरतलब है कि बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है।

हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताई। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले अदालत ने अपने एक फैसले में संगठित तस्करी के जाल को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। इनमें तस्करी के मामलों में छह महीने के भीतर हर रोज सुनवाई करना, मानव तस्करी रोधी इकाइयों को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था।

अदालत ने राज्यों को यह निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित संवेदनशील स्थानों की पहचान और निगरानी के लिए राज्यस्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मान कर जांच शुरू करें। मगर इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई राज्यों ने अभी तक तय प्रारूप में रपट तक दाखिल नहीं की है। सरकारी तंत्र में इस इच्छाशक्ति के अभाव और उदासीनता की वजह क्या यह है कि जो बच्चे तस्करी का शिकार हो जाते हैं, उनमें ज्यादातर समाज के गरीब और कमजोर तबके से आते हैं?

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि देश में बाल तस्करी का संकट पिछले कुछ वर्षों के दौरान कितना गहरा गया है। खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बच्चों के लापता होने के मामलों में काफी तेजी दर्ज की गई। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति ज्यादा गंभीर है। सही है कि लापता होने वाले तमाम बच्चों में से कइयों को पुलिस खोज लेती है, लेकिन उनमें से बहुतों की कोई खबर नहीं मिलती। सवाल है कि जिन बच्चों को नहीं खोजा जा पाता, वे कहां जाते हैं और उनके साथ क्या होता है।

यह समझना मुश्किल नहीं है कि देश भर में जो बच्चे गायब हो जाते हैं, उन्हें बाल मजदूरी से लेकर यौन शोषण और अपराध की दुनिया के अंतहीन दलदल में झोंक दिया जाता है। एक परिवार अपने बच्चे के लापता होने के बाद किस दंश और दुख से गुजरता है, यह शायद बताने की जरूरत नहीं है। मगर कोई भी समाज और सत्ता बच्चों की तस्करी के मुद्दे को लेकर अगर गंभीर नहीं है, तो यह एक तरह से अपने ही भविष्य की त्रासदी को नजरअंदाज करना है।

मुंबई में पिछले कुछ महीनो के दौरान एक डिजिटल टूल के दम पर पुलिस अपराधियों से लेकर गायब बच्चों तक को ढूंढने में कामयाब रही है। पुर्तगाल की एक टूरिस्ट का पीछा करने और परेशान करने के मामले में दो लोग पिछले महीने गिरफ्तार हुए। गोरेगांव से गायब होने वाले 14 साल के एक बच्चा कुछ सप्ताह पहले राजस्थान में मिला। जनवरी में मुंबई के एक प्रोफेसर को चाकू मारने वाले शख्स को दो दिन में पकड़ लिया गया। इसके अलावा एक साल

मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे करने पर हार्दिक ने रोहित को दी बधाई

बताया टीम की सबसे बड़ी प्रेरणा

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को फ्रेंचाइजी के साथ 15 साल पूरे करने पर बधाई दी है। हार्दिक ने ड्रेसिंग रूम में दिल को छू लेने वाली एक स्पीच दी। अपनी स्पीच में हार्दिक ने रोहित को मुंबई के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा प्रेरणास्त्रोत बताया। मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे होने पर रोहित ने टीम के साथियों, सहायक स्टाफ और फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट का दिल से शुक्रिया अदा किया और फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक और वीडियो में बतौर कप्तान अपनी यात्रा को आकार देने का श्रेय टीम के माहौल को दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए एक वीडियो में कहा, रोहित 15 साल पूरे करने पर बधाई। इतने वर्षों तक इस फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए आपका धन्यवाद। मैंने डेब्यू

किया, बुमराह ने किया, हममें से कई लोगों ने आपके नेतृत्व में डेब्यू किया है। इतने सारे लोगों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद जो इस फ्रेंचाइजी के लिए खेलते आए हैं और उसी समय भारत के लिए भी खेले। आप एक इंसान के तौर पर भी कमाल और शानदार रहे हैं। आप बहुत फ्रेंडली और खुले विचारों वाले रहे हैं। आपने इतने वर्षों तक जिस तरह से टीम का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है उसके लिए बहुत धन्यवाद।

रोहित ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को लीग की सबसे कामयाब फ्रेंचाइजी बनाया। इस पर उन्होंने कहा कि ये कामयाबियां किसी एक की काबिलियत के बजाय टीम की मेहनत का नतीजा थीं। फ्रेंचाइजी और उसके हितधारकों के समर्थन ने एक कप्तान और एक व्यक्ति के तौर पर मुझे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। रोहित ने फ्रेंचाइजी के मालिक का भी शुक्रिया अदा किया और अपने करियर के अहम दौर में उनका साथ देने में उनकी भूमिका को स्वीकारा।

रोहित शर्मा का आईपीएल करियर

2008 में रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर का आगाज डेक्कन चार्जर्स के साथ किया था। वह इस टीम के साथ 2010 तक रहे। आईपीएल 2011 में वह मुंबई इंडियंस से जुड़े और अब तक इस टीम का हिस्सा बने हुए हैं।

आयुष शेट्टी एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में, डिफेंडिंग चैंपियन को हराया

नई दिल्ली। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। 60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई है। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था।

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में डबल्स खिताब जीता था।20 साल के आयुष ने शनिवार को चीन के झेजियांग में खेले गए सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन थाई प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने पेरिस ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और 2023 के वर्ल्ड चैंपियन वितिदसर्न पर 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की।इस चैंपियनशिप में भारत के लिए गोल्ड सिर्फ दिनेश खन्ना ने जीता था। उन्होंने 1965 में लखनऊ में थाईलैंड के सांगोब

रत्तनुसोर्न को मेंस सिंगल्स फाइनल में हराया था।

आयुष ने पिछली हार का बदला लिया

दोनों खिलाड़ी इससे पहले पिछले साल आर्कटिक ओपन में भिड़े थे, जहां वितिदसर्न ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी,

लेकिन इस बार आयुष ने शानदार वापसी करते हुए हिसाब बराबर कर लिया। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह उन्होंने वापसी की, उसने उनकी मानसिक मजबूती को भी साबित किया।

क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टी को हराया

वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था। इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे खिलाड़ियों को भी मात दी। अब आयुष खिताबी मुकाबले में चाऊ तियेन चेन और शी यूकी के बीन होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे।

विराट ने दिया वैभव सूर्यवंशी को ऑटोग्राफ, लिखा- वेलडन

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल में लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम ने शुक्रवार को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स देखने को मिले।

वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और सिक्स लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। वहीं, मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली ने वैभव की राजस्थान रॉयल्स कैप पर ऑटोग्राफ दिया।दूसरी ओर, विराट कोहली अच्छी शुरुआत के बाद रवि बिश्नोई की गेंद पर बोल्ड हो गए। रिकॉर्ड्स की बात करें तो आरसीबी ने आईपीएल में 37वीं बार 200 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया और चेन्नई सुपर किंग्स की बराबरी कर ली। आरसीबी ने आईपीएल में 37वीं

बार 200+ का स्कोर बनाकर ष्टस्य की बराबरी कर ली है। अब दोनों टीमें इस लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर पीबीकेएस (33) है, जबकि एमआई (32) चौथे और केकेआर (30) पांचवें स्थान पर हैं।

संदीप शर्मा ने 140 मैच में 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह इस लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। सबसे तेज 150 विकेट का रिकॉर्ड लसिथ मलिंगा (105 मैच) के नाम है, जबकि दूसरे नंबर पर हर्षल पटेल (117) और तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह (124) हैं।

रजत पाटीदार ने 95 पारियों में 3000 टी20 रन पूरे कर लिए हैं। वह इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। सबसे तेज 3000 रन का रिकॉर्ड तिलक वर्मा (90 पारियां) के नाम है, जबकि दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ (91) और तीसरे नंबर पर केएल राहुल (93) हैं।

आरसीबी ने 200+ स्कोर बनाने के बाद 7वीं बार मैच गंवाया, जिससे वह पीबीएसके के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गई है। ष्टस्य 6 हार के साथ तीसरे नंबर पर है, जबकि ह्यक्र (5) चौथे स्थान पर है।

पंजाब ने 10वीं बार 200+ रनचेज किया, प्रियांश की किंग्स के लिए सेकेंड फास्टेस्ट फिफ्टी

नई दिल्ली। पंजाब ने टी-20 में सबसे ज्यादा 10वीं बार 200+ टारगेट चेज किया। टीम ने शनिवार को न्यू चंडीगढ़ में सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हराया। ओपनर प्रियांश आर्या ने पंजाब के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई। मार्को यानसन ने ईशान किशन का एक हाथ से कैच लपका।

पंजाब ने 10वीं बार 200+ रनचेज किया

टी-20 में सबसे ज्यादा 200+ रनचेज के मामले में पंजाब किंग्स पहले नंबर पर है। टीम ने 10 बार 200+ रन का सफल पीछा किया है। दूसरे नंबर पर भारत है, जिसने 8 बार 200+ रनचेज किया है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसने 7 बार यह

कारनामा किया है।

प्रियांश की पंजाब के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी

प्रियांश आर्या ने 16 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। वे पंजाब किंग्स के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले बैटर बने। पहले नंबर पर केएल राहुल हैं, जिन्होंने 2018 में दिल्ली के खिलाफ 14 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी।

हैदराबाद का तीसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर

सनराइजर्स हैदराबाद ने पावरप्ले में 105 रन बनाए। यह IPL में टीम का तीसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर रहा। इससे पहले 2024 में दिल्ली के खिलाफ 125 और लखनऊ के खिलाफ 107 रन बनाए थे।

अभिषेक पावरप्ले में 7 सिक्स लगाने वाले चौथे बैटर

अभिषेक शर्मा ने पावरप्ले में 7 सिक्स लगाकर रिकॉर्ड बनाया। वे IPL पावरप्ले में 7 सिक्स लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सनथ जयसूर्या, जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो भी ऐसा कर चुके हैं।

पंजाब की ओर से पहला ओवर फेंक रहे अर्शदीप सिंह ने वाइड से शुरुआत की। इसके बाद अभिषेक शर्मा ने चौका लगाकर टीम का खाता खोला। उन्होंने पॉइंट के ऊपर से चौका लगाया।

व्यापार

सरकार ने डीजल और एटीएफ निर्यात पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स, हवाई किराये को लेकर सरकार सतर्क

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आए भारी उछाल के बीच भारत सरकार ने ईंधन के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में भारी वृद्धि की है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास आपूर्ति श्रृंखला में पैदा हुई बाधाओं के कारण वैश्विक तेल बाजार भारी दबाव का सामना कर रहा है।

कर की नई दरें: डीजल और एटीएफ पर भारी शुल्क

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के निर्यात पर शुल्कों में भारी इजाफा किया गया है।

भारत अपनी बेहतरीन रिफाइनिंग क्षमता के कारण एटीएफ का एक शुद्ध निर्यातक देश है। इसलिए, निर्यात

शुल्क और घरेलू मूल्य निर्धारण में होने वाला कोई भी बदलाव देश के रिफाइनरों और एयरलाइंस, दोनों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

विमानन क्षेत्र पर दबाव और संभावित असर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों के कारण ईंधन की उच्च लागत का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में सबसे बड़ा जोखिम यह है कि बढ़ती कीमतों का बोझ हवाई किराये के रूप में आम यात्रियों पर पड़ सकता है।

यात्रियों को महंगाई से बचाने के लिए सरकार के कदम

अधिकारियों के अनुसार, सरकार एयरलाइंस, यात्रियों और हवाई अड्डा संचालकों के हितों को संतुलित करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है। इस दिशा में नागरिक उड्डयन मंत्रालय विभिन्न विभागों के संपर्क में है और राज्य सरकारों से मदद मांग सकता है। एयरलाइंस और यात्रियों को बचाने के लिए मुख्य रूप से निम्नलिखित विकल्पों पर विचार किया जा रहा है:

एल्युमिनियम पार्क के लिए एमओयू, डाउनस्ट्रीम कंपनियों के साथ वेदांता एल्युमीनियम की साझेदारी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्युमिनियम ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में प्रस्तावित वेदांता एल्युमिनियम पार्क के भीतर डाउनस्ट्रीम एल्युमिनियम निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए दो प्रमुख कंपनियों, सिंघल स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड और स्कॉट-एल मेटकॉन प्राइवेट लिमिटेड (स्कॉटिश केमिकल इंडस्ट्रीज और यूएल इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

ओडिशा में 500 करोड़ रुपये का निवेश आएगा

एमओयू हस्ताक्षर समारोह भुवनेश्वर में आयोजित हुआ, जिसमें ओडिशा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री संपद चंद्र स्वाईं, उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री हेमंत शर्मा शामिल थे। झारसुगुड़ा में प्रस्तावित वेदांता एल्युमिनियम पार्क

को डाउनस्ट्रीम एल्युमिनियम उद्योगों के लिए एक विश्वस्तरीय औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देना, एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देना और ओडिशा को वैश्विक एल्युमिनियम केंद्र के रूप में मजबूत करना है। इस पहल से राज्य में 500 करोड़ रुपये से अधिक का नया निवेश आने की संभावना है और लगभग 1,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इस अवसर पर उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री संपद चंद्र स्वाईं ने कहा, 'यह पहल ओडिशा को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में और मजबूत करती है। वेदांता एल्युमिनियम पार्क निवेश को बढ़ावा देगा, बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा और राज्य की विनिर्माण क्षमता को मजबूत करेगा। उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री हेमंत शर्मा ने कहा, 'वेदांता एल्युमिनियम पार्क ओडिशा की औद्योगिक वैल्यू चेन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर बुनियादी ढांचा और नीतिगत सहयोग के साथ हम उद्योगों को प्रतिस्पर्धी तरीके से आगे बढ़ने का अवसर दे रहे हैं।'वेदांता झारसुगुड़ा के सीईओ सी. चंद्रु ने कहा, 'झारसुगुड़ा, वेदांता एल्युमिनियम की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। वेदांता एल्युमिनियम पार्क न केवल डाउनस्ट्रीम उद्योगों को मजबूत करेगा, बल्कि रोजगार के स्थायी अवसर पैदा करेगा, उद्यमिता को बढ़ावा देगा और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देगा।'

स्विगी के को-फाउंडर लक्ष्मी रेड्डी ने इस्तीफा दिया

किशन-राहुल एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त

नई दिल्ली। फूड और ग्रोसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के को-फाउंडर लक्ष्मी नंदन रेड्डी ओबुल ने कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। स्विगी ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। ओबुल कंपनी में होल-टाइम डायरेक्टर और हेड ऑफ इनोवेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनका इस्तीफा आज (10 अप्रैल) से प्रभावी होगा।

कंपनी ने बताया कि ओबुल अब अपने दूसरे प्रोफेशनल हितों पर ध्यान देना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया है। ओबुल के जाने के साथ ही स्विगी के बोर्ड में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों और नियमों में बदलाव को भी मंजूरी दी गई है।

अल्वेस पिंटो को नॉमिनी डायरेक्टर नियुक्त किया

स्विगी के बोर्ड ने रेनन डी कास्त्रो

अल्वेस पिंटो को नॉमिनी डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। वे प्रोसस वेंचर्स को लीड करेंगे। वे रोजर राबलाइस की जगह लेंगे, जो प्रोसस वेंचर्स में अपनी भूमिका बदलने के कारण स्विगी बोर्ड से हट रहे हैं।

इसके अलावा स्विगी के को-फाउंडर और चीफ ग्रोथ ऑफिसर फणी किशन अडेपल्ली और ग्रुप ष्टस्नह्न राहुल बोथरा को एडिशनल डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 1 जून 2026 से प्रभावी होगी।

ष्टश्वह्र बोले- नंदन का विजन कंपनी के लिए अहम रहा

बोर्ड में हुए इन बदलावों पर स्विगी ग्रुप के ष्टश्वह्र श्रीहर्ष मजेटी ने कहा, 'नंदन स्विगी के सफर में एक विजनरी ताकत रहे हैं। बेंगलुरु के एक मोहल्ले से शुरू हुए स्विगी को देशव्यापी प्लेटफॉर्म बनाने में उनका योगदान अहम रहा है।'

फणी और राहुल की नियुक्ति पर मजेटी ने कहा, 'ये दोनों स्विगी के शुरुआती दिनों से हमारे साथ हैं। कंपनी के सबसे कठिन और महत्वपूर्ण समय में इन्होंने बिजनेस को संभाला है। जैसे-जैसे हम ग्रोथ के अगले फेज में जा रहे हैं, उनकी समझ और अनुभव हमारे लॉन्ग-टर्म टारगेट को हासिल करने में मददगार साबित होंगे।'

आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में बदलाव, ष्टश्वह्र को मिले नए अधिकार

स्विगी ने फाइलिंग में बताया कि बोर्ड ने आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (श्र) में बदलाव को मंजूरी दी है। इसके तहत एक्सेल और सॉफ्टबैंक के नॉमिनेशन राइट्स (निदेशक नामित करने के अधिकार) से संबंधित नियमों को हटा दिया गया है।

भारतीय घरों में दुनिया के टॉप-10 बैंकों से ज्यादा सोना, इसकी कीमत 830 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय घरों और मंदिरों में 50,000 टन सोना रखा है, जिसकी वैल्यू करीब 10 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग ?830 लाख करोड़ है। भारतीय व्यापारियों के संगठन एसोचैम (द एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुनिया के सबसे बड़े 10 सेंट्रल बैंकों के कुल भंडार से भी ज्यादा है।

भारतीयों के पास इतना सोना है कि अमेरिका और चीन को छोड़कर दुनिया के लगभग हर देश की सालाना त्रष्ठक्क से भी ज्यादा है। एसोचैम का कहना है कि अगर इस सोने को देश के बैंकिंग सिस्टम या बिजनेस में लगाया जाए, तो

भारतीय इकोनॉमी की रफ्तार कई गुना बढ़ सकती है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के अनुसार, भारत के आधिकारिक सरकारी खजाने में 880.3 टन सोना है,

जो दुनिया में 8वें नंबर पर है। यह अमेरिका के 8,133 टन के मुकाबले काफी कम है, लेकिन प्राइवेट स्टॉक में भारत सबसे आगे है।

घरों में रखा सोना भारत की जीडीपी का 125% तक

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुमान के मुताबिक, 2024 से 2026 के बीच सोने की कीमतों में आई तेजी ने भारतीय घरों की वेल्थ को जबरदस्त बूस्ट दिया है।

एसोचैम ने एक रोडमैप तैयार किया है कि कैसे इस 'डेड इन्वेस्टमेंट' को काम पर लगाया जा सकता है।

बाल भारती परिसर में अवैध स्कूल संचालन का पर्दाफाश, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

बिना मान्यता 'डीएवी' स्कूल संचालन, डाइस कोड के दुरुपयोग पर विभाग सख्त शिक्षा विभाग ने थमाया नोटिस, 3 दिन में मांगा जवाब

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/जैतहरी। जिले में शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और वैधानिकता को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। जैतहरी क्षेत्र स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल मोजर बेयर के परिसर में बिना मान्यता के डी.ए.वी स्कूल संचालित किए जाने की शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी ने कड़ा संज्ञान लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्यवाही जनपद शिक्षा केन्द्र जैतहरी से प्राप्त पत्र एवं 9 अप्रैल 2026 को किए गए स्थल निरीक्षण के आधार पर की गई है। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि बाल भारती पब्लिक स्कूल के परिसर में डी.ए.वी नाम से एक अन्य विद्यालय संचालित हो रहा है, जिसने शासन से कोई वैध मान्यता प्राप्त नहीं की है। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों का प्रवेश लिया जाना और नियमित गतिविधियां संचालित करना नियमों का खुला उल्लंघन माना गया है।

डाइस कोड के दुरुपयोग का भी आरोप

जांच में यह भी सामने आया कि बिना मान्यता संचालित इस डी.ए.वी स्कूल द्वारा बाल भारती पब्लिक स्कूल का डाइस कोड (23470609433) उपयोग किया जा रहा है। यही नहीं, स्कूल परिसर में लगाए गए बोर्ड पर भी उक्त डाइस कोड अंकित पाया गया, जिससे अभिभावकों और विद्यार्थियों को भ्रमित करने की आशंका जताई जा रही है। शिक्षा विभाग ने इसे गंभीर अनियमितता और भ्रामक गतिविधि करार दिया है।

पहले बंद करने की सूचना, फिर भी जारी संचालन

जिला शिक्षा अधिकारी के नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि बाल भारती पब्लिक स्कूल प्रबंधन द्वारा 1 अप्रैल 2026 से अपने संस्थान का संचालन बंद करने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद उसी परिसर में बिना मान्यता के दूसरी संस्था का संचालन होना प्रशासन के निर्देशों की अवहेलना माना जा रहा है।

तीन दिन में जवाब, अन्यथा होगी कार्यवाही

नोटिस के माध्यम से स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि वे तीन दिवस के भीतर अपने पक्ष में स्पष्ट स्पष्टीकरण और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करें। साथ ही डी.ए.वी स्कूल प्रबंधन को भी 13 अप्रैल 2026 तक मान्यता एवं वैध डाइस कोड से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्रों के भविष्य पर मंडरा रहा खतरा

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी चिंता उन छात्रों के भविष्य को लेकर है, जिन्होंने इस विद्यालय में प्रवेश लिया है। यदि संस्था अवैध रूप से संचालित पाई जाती है, तो छात्रों की पढ़ाई और उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित स्कूल प्रबंधन की होगी।

जिले में अन्य निजी स्कूल भी जांच के दायरे में

इस कार्रवाई के बाद जिले के अन्य निजी स्कूलों में भी हड़कंप की स्थिति है। शिक्षा विभाग अब ऐसे संस्थानों की पहचान करने में जुट गया है, जो नियमों के विपरीत संचालित हो रहे हैं या मान्यता से संबंधित प्रावधानों का पालन नहीं कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग का स्पष्ट संदेश है कि नियमों से खिलवाड़ करने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्यवाही जारी रहेगी और छात्रों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा गांव चलो अभियान में सीधे जुड़े किसानों से जनसंवाद का बना प्रभावी माध्यम

'गांव चलो अभियान' में विभिन्न गांवों में पहुंचे

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर में गांव चलो अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीणों एवं किसानों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने ग्राम मुंदडी, सिंदपन, ढाबला चौपाटी, दौरवाडा, बादपुर सहित कई गांवों में पहुंचे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लोगों तक पहुंचाना ही सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष में मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के माध्यम से हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को न केवल सिंचाई सुविधा मिलेगी बल्कि बिजली की समस्या से भी राहत मिलेगी। चंबल नदी का पानी सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के सपने को याद करते हुए कहा कि देशभर में नदियों को जोड़ने के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं, जिससे सूखा और बाढ़ जैसी समस्याओं से स्थायी समाधान संभव होगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत सभी वर्गों के लोगों के कार्ड बनाए गए हैं, जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी सभी पात्र किसानों को मिल रहा है। इसके साथ ही गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवन मिल सके। उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने नागरिकों से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि देश की मिट्टी से जुड़े उत्पादों को अपनाना चाहिए। साथ ही ग्रामीणों से गांव की स्वच्छता बनाए रखने, सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का आह्वान किया, जिससे वे भविष्य में देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों का व्यापक जाल बिछाया गया है तथा सांदीपनी विद्यालयों में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी विकास की यह गति जारी रहेगी। कार्यक्रम में जिला योजना समिति सदस्य श्री राजेश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

होटल संचालिका युवती के साथ सड़क पर मारपीट के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार, भेजे गए जेल

अनूपपुर। घटना का कारण एक व्यक्ति द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने से वाद विवाद होने को उपरांत मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई।

शुक्रवार की शाम लगभग 8:00 बजे पॉलिटेक्निक कालेज के बगल में संचालित मूनलाइट रेस्टोरेंट के संचालक दीपक पटेल एवं पिंकी पटेल के साथ मारपीट की गई। मिली जानकारी के अनुसार दीपक रेस्टोरेट में मौजूद था, जहाँ बाहर खड़ी गाडियों में अचानक कार चालक युवक शिवम मिश्रा दुर्घटना कारित कर दिया, जिससे आस-पास मौजूद होटल संचालक से वाहन चालक ने दीपक के साथ वाद-विवाद करते हुए मारपीट की गई है, जहां उनके कर्मचारियों ने पिंकी पटेल को सूचना देने के साथ ही पुलिस को सूचना दी जहां पुलिस और पिंकी दोनो मौजूद थे वही युवकों के द्वारा होटल संचालिका युवती पिंकी पटेल के साथ बीच सड़क पर जमकर मारपीट की (जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है) साथ ही अपशब्दों,गाली-गलौज किया गया,मारपीट के दौरान पिंकी के सर पर चोटे आई है साथ हाथ व कंधे में भी चोटे पहुंची है, अनूपपुर कोतवाली पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ धारा 74, 296(बी),115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस कायम कर चार आरोपियों निरंजन शुक्ला,देवानंद शुक्ला,निखिल शुक्ला वा शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है। आगे की विवेचना जारी है। यह मामला अपने आप में अत्यंत गंभीर है कि किसी युवती के साथ बीच सड़क में खुलेआम इस तरीके से मारपीट की गई है,जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के उपरांत आम जनमानस में आक्रोश व्याप्त है, विदित हो निरंजन शुक्ला भारतीय जनता पार्टी का सदस्य एवं पदाधिकारी भी है, ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा आज देवास आएंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं

जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा दिनांक 12 अप्रैल को देवास आएंगे। प्राप्त भ्रमण कार्यक्रम अनुसार उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा प्रातः 7.00 बजे मंदसौर से प्रस्थान कर प्रातः 11.00 बजे देवास आएंगे। उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा मल्हार स्मृति मंदिर देवास में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित हितग्राही सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12.30 बजे देवास से प्रस्थान कर नगर परिषद करनावद में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं नर्मदा जल प्रदाय योजना का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात दोपहर 03.00 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

उपायुक्त ने वार्डो का दौरा कर सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। निगम उपायुक्त वित्त दीपक पटेल द्वारा वार्ड क्रमांक 7, 8 एवं 9 में

सड़कों की नियमित सफाई, बड़े नाले नालियों की सफाई व्यवस्था के साथ उज्जैन रोड कमर्शियल एरिया एवं स्ट्रीट वेंडर जोन का निरीक्षण किया जिसमें फव्वारों,लिटरबिन रिपेयर हेतु संबंधित अधिकारियों व कर्मचारी को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त द्वारा प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षक को उज्जैन रोड नाले की नियमित सफाई, खुले प्लाटों में कचरे पर नियंत्रण लगाए जाने तथा समयबद्ध कूडा उठाने हेतु सुनिश्चित करने के निर्देश दिये साथ ही स्वच्छ भारत मिशन टीम को अतिक्रमण टीम के साथ अभियान चलाकर खुले प्लॉटों को चिह्नित कर अतिक्रमण मुक्त करने व कचरा मुक्त किये जाने के निर्देश दिये गये। इसके उपायुक्त श्री पटेल के द्वारा गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण कर सभी तैयारियों को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

MPPSC प्रारंभिक परीक्षा-2026: परीक्षार्थियों के लिए बायोमेट्रिक पहचान अनिवार्य, परीक्षा से 90 मिनट पहले पहुंचना होगा केंद्र

अनूपपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के दौरान सुरक्षा और पारदर्शिता के दृष्टिगत नवीन तकनीक अपनाई जा रही है।

बायोमेट्रिक पहचान की नई प्रक्रिया

आयोग के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इस बार सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की फिस्किंग (गहन तलाशी) के साथ-साथ बायोमेट्रिक पहचान सुनिश्चित की जाएगी। यह प्रक्रिया परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से अनिवार्य की गई है।

90 मिनट पूर्व उपस्थिति अनिवार्य

इन नवीन प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को देखते हुए, आयोग ने समस्त परीक्षार्थियों को निर्देशित किया है कि वे अपने निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने के समय से अनिवार्य रूप से 90 मिनट पूर्व उपस्थित हों। देरी से पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण न होने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

54 जिलों में होगी परीक्षा

उल्लेखनीय है कि यह परीक्षा प्रदेश के सभी 54 संभाग एवं जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जा रही है। परीक्षा से जुड़ी अन्य समस्त शर्तें पूर्व में जारी विज्ञापन के अनुसार यथावत रहेंगी। अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी एवं अपडेट के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://mppsc.mp. gov.in का अवलोकन कर सकते हैं।

अमरकंटक: गोंडी चित्रकला की वैश्विक पहचान, चांदनी उर्वेति की कला से बढ़ा क्षेत्र का मान

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। पवित्र नगरी की पारंपरिक आदिवासी कला गोंडी चित्रकला अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक अपनी अलग पहचान बना रही है।अमरकंटक निवासी आदिवासी प्रधान समुदाय से जुड़ी कलाकार चांदनी उर्वेति पिछले लगभग 20 वर्षों से अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मकता के माध्यम से इस कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में जुटी हैं।

चांदनी उर्वेति ने वर्ष 2005 से पेंटिंग की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर में सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी कला को निरंतर निखारा और आज उनकी बनाई प्रधान गोंड पेंटिंग देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित प्रदर्शनियों के माध्यम से लोगों तक पहुंच रही है। कई स्थानों पर उनके स्टॉल भी लगाए जाते हैं, जहां कला

प्रेमी उनकी चित्रकला को काफी सराहते हैं। उनकी कुछ पेंटिंग विदेशों तक भी पहुंच चुकी हैं,जो क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी इस यात्रा में उनके पति राजेंद्र कुमार उर्वेति का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। दोनों मिलकर अपनी चित्रकला के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और मान्यताओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी गोंड पेंटिंग में देवी-देवताओं, प्रकृति, जीव-जंतुओं तथा प्राचीन और आधुनिक कहानियों का सुंदर समावेश देखने को मिलता है। हर पेंटिंग अपने आप में एक कहानी कहती है,जो आदिवासी जीवन शैली और प्रकृति के प्रति जुड़ाव को दर्शाती है।

अपनी अद्भुत कलाकारी,निरंतर अभ्यास और मेहनत के बल पर चांदनी उर्वेति लगातार एक नई पहचान बना रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि प्रतिभा को सही दिशा और अवसर मिले तो स्थानीय कला भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकती है। आज वे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर पारंपरिक कला को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

प्रदेश के सभी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में मनाया जाएगा नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' में निहित प्रावधानों पर होगा व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम

छात्राओं को कानूनी अधिकार, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता और वित्तीय साक्षरता सहित अन्य विषयों के बारे में दी जाएगी जानकारी

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए समस्त महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों को निर्देश

भोपाल। प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में 'नारी सशक्तिकरण' एवं 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' का आयोजन 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक किया जाएगा। विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' में निहित प्रावधानों पर व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही छात्राओं को उनके कानूनी अधिकार, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता तथा वित्तीय साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। गतिविधियों का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में क्षेत्र की महिला जनप्रतिनिधियों, प्रतिष्ठित एवं प्रतिभाशाली महिलाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली उद्यमी महिलाओं को आमंत्रित कर उनके अनुभव और विचार साझा किए जाएंगे। कार्यक्रम के बेहतर समन्वय के लिए विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. दिवा मिश्रा को 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है।

यह होंगी गतिविधियां

कानूनी अधिकार, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान। वित्तीय साक्षरता पर व्याख्यान एवं संवाद। नारी शक्ति वंदन, कल की महिला नेतृत्व, शिक्षा से सशक्तिकरण विषयों पर पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता

कौशल विकास और उद्यमिता प्रदर्शनी

आत्मरक्षा एवं शारीरिक सशक्तिकरण के अंतर्गत प्रतिभागियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट्स, जूडो-कराटे तथा ताइक्वांडो का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही महिला स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा हीमोग्लोबिन जांच, पोषण संबंधी परामर्श तथा मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों के समग्र स्वास्थ्य और आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत अमरकंटक थाना पुलिस ने नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

अनूपपुर/अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पवित्र नगरी स्थित थाना अमरकंटक पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत सराहनीय कार्य करते हुए एक नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी राम सजीवन अगद्वारा द्वारा अपनी नाबालिग बालिका के गुम होने की रिपोर्ट दिनांक 7 मार्च 2026 को थाना अमरकंटक में दर्ज कराई गई थी। प्रकरण में बालिका के नाबालिग होने के कारण थाना अमरकंटक में अपराध क्रमांक 41/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला कायम किया गया। मामले को गंभीरता से लेते

हुए थाना अमरकंटक पुलिस टीम ने सतत प्रयास करते हुए सिंगरौली पहुंचकर दिनांक 9 अप्रैल 2026 को 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद नियमानुसार कार्यवाही करते हुए बालिका को उसके परिजनों को सौंप दिया गया। यह पूरी कार्यवाही पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मुस्कान' के अंतर्गत, अनूपपुर जिले के पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई, साथ ही अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी के निर्देशन तथा थाना प्रभारी नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी के नेतृत्व में अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा यह सफलता हासिल की गई। पुलिस की इस त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

2866 स्थानों पर हुई जाँच, 4283 गैस सिलेण्डर जब्त

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्त संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2866 स्थानों पर जांच की गई, 4283 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 738 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं।

भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय (श्व×ह्लद्दठ्ठस्त्रद्गस्न ॥शह्लह्म्ह्य) तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत् रूप से समीक्षा की जा रही है। साथ ही माईग्रेन्ट लेबर, छात्रों आदि के लिए खाना पकाने के लिये 05द्मद्द के सिलेण्डेर ऑयल कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आम जनता से अपील की गई है कि वह वैकल्पिक साधनों, जैसे इंडक्शतन,सोलर कुकर, बायो गैस, गोबर धन तथा स्वससहायता समूहों द्वारा उत्पादित गो-काष्ठ का उपयोग करें। रसोई गैस का प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के विरूद्ध एलपीजी सिलेण्डर का प्रदाय निरंतर रूप से किया जा रहा है। साथ ही कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार आवंटन प्रतिशत के आधार पर कमर्शियल गैस सिलेण्डरों की सप्लाई सतत् रूप से की जा रही है। घरेलू एवं कॉमर्शियल की सप्लाई में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। घरेलू एवं कॉमर्शियल सिलेण्डर की सप्लाई एवं वितरण सामान्य है।

सीजीडी संस्थाओं तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी द्वारा विशेष अभियान चलाकर जिन घरों में पाईपलाईन की अधोसंरचना उपलब्ध है, एवं सप्लाई प्राप्तज नहीं कर रहे है, ऐसे 1.5 लाख घरों को आगामी 03 माह में पीएनजी से कनेक्ट करने के लिये निर्देशित किया गया।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी एच.एस भारती को तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

देवास। संभागायुक्त उज्जैन आशीष सिंह ने वित्तीय अनियमितता पाए जाने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के अंतर्गत देवास जिला शिक्षा अधिकारी एच.एस भारती को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा वित्तीय अनियितताएं किए जाने की सूचना प्राप्त हो रही थी, जिस पर कलेक्टर देवास ऋतुराज सिंह द्वारा जांच टीम गठित की गई। जांच टीम द्वारा पाया गया कि जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा वित्तीय अनियमिताए की जा रही है। इस पर कलेक्टर देवास श्री सिंह के प्रतिवेदन पर संभाग आयुक्त उज्जैन आशीष सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी देवास एच.एस भारती को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में मुख्यालय कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उज्जैन रहेगा तथा निलंबन काल में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी। अजय मिश्रा जिला परियोजना समन्वयक देवास शासन के आगामी आदेश / व्यवस्था होने तक जिला शिक्षा आधिकारी जिला देवास का कार्य भी संपादित करेंगे।

टेरर टैक्स न देने पर फायरिंग करने वाले 2 अपराधी गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला जुलूस

25 लाख की मांग कर मेडिकल पर की थी ताबड़तोड़ फायरिंग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। पोरसा चौराहा स्थित मेडिकल स्टोर पर 25 लाख रुपये का 'टेरर टैक्स' न देने पर फायरिंग करने वाले दो अपराधियों को थाना अंबाह पुलिस ने नगर निरीक्षक वीरेश कुशवाहा के मार्गदर्शन में धर दबोचते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे मेडिकल संचालक विकास गुप्ता के मोबाइल पर कॉल कर गुल्ली तोमर नामक व्यक्ति द्वारा 25 लाख रुपये की व्यवस्था दो दिन में करने की धमकी दी गई थी। पीड़ित ने उस समय इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद 5 अप्रैल की दोपहर करीब 3:30 बजे तीन व्यक्ति स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से पोरसा चौराहे पर पहुंचे और विकास गुप्ता के मेडिकल पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान पांच राउंड में से एक राउंड काउंटर पर और दूसरा शटर में जा लगा। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

जांच में सामने आया कि इस पूरी साजिश में गुल्ली तोमर की भूमिका थी, जिसने भिंड जिले के अमायन निवासी अंशू श्रीवास को घटना के लिए बुलाया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अंशू श्रीवास को भिंड से गिरफ्तार किया। वहीं, एमएलडी कॉलोनी निवासी छोटू उर्फ शिवाकर तोमर को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का घटना स्थल और उसी समय पर जुलूस निकालते हुए थाना परिसर तक पैदल मार्च कराया, जिससे आमजन में सुरक्षा का संदेश गया और अपराधियों में भय का माहौल बना। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पोरसा पुलिस ने अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे डम्पर को जप्त किया, आरोपी हिरासत में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक मुरैना समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में रेत एवं पत्थर के अवैध रूप से परिवहन, उत्खनन एवं भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारीगण को निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह श्री रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना पोरसा पुलिस द्वारा अवैध रेत का परिवहन करते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 डम्पर कीमती करीबन ?20 लाख की जब्त किया गया।

दिनांक 11.04.2026 को थाना पोरसा पुलिस द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर भिण्ड बाईपास पर चैकिंग लगाकर अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए 01 आरोपी को मय डम्पर के पकडकर वाहन को चैक किया गया, तो उक्त डम्पर में रेत भरा होना पाया गया, जिसके संबंध में चालक से वैध दस्तावेज चाहे गए तो न होना बताया गया, तदोपरांत मौके से उक्त डम्पर कीमती करीबन 20 लाख को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बाद थाना वापसी पर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 76 / 26 धारा 303 (2) बीएनएस, धारा 18 (1) म.प्र. खनिज अवैध परिवहन भण्डारण निवारण अधिनियम 2006, धारा 4 / 21 खान अधिनियम 1952 एवं एम. व्ही. एक्ट की धारा 103,177,51 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अग्रिम कार्यवाही हेतु वन विभाग को सूचित किया गया, जिनके द्वारा जब्तशुदा डम्पर को राजसात किए जाने संबंधी कार्यवाही की जावेगी।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा सौंपा गया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर के साथ मुरैना तहसील के अंतर्गत अध्यापक शिक्षक शिक्षिकाओं ने टेट परीक्षा के विरोध में रैली निकाल कर तथा वरिष्ठता के हनन को लेकर सरकार के विरोध में रोष प्रकट करते हुए तहसील मुरैना पर प्रदर्शन किया गया तथा अपनी मांगों का ज्ञापन जिसमें टेट परीक्षा का आदेश रद्द हो तथा सुप्रीम कोर्ट में सरकार पुनर्विचार याचिका को लेकर जाए जिसमें शिक्षकों का पक्ष रखा जाए तथा नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जाए आदि मांगों को लेकर आज का नेतृत्व जिला संयोजक मुन्नालाल शर्मा तथा रामनरेश दंडोतिया तथा देवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में तहसील मुरैना का संपन्न हुआ। जिसमें ज्ञापन ब्लॉक संयोजक प्रशांत पाराशर के द्वारा सौंपा गया। रैली में मुख्य रूप से सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष शिक्षक शामिल थे। ज्ञापन नायब तहसीलदार तहसील मुरैना को सौंपा गया।

रुक्मणी विवाह साहस, अटूट विश्वास एवं प्रेम की कथा है: श्याम दास जी महाराज

सुदामा चरित्र के साथ हुआ कथा का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रुक्मणी विवाह साहस, अटूट विश्वास एवं प्रेम की कथा है। यह बात रुक्मणी विवाह का प्रसंग सुनाते हुए भागवत आचार्य महंत श्री श्याम दास जी महाराज ने अपने मुखारविंद से कही। दाऊजी पेट्रोल पंप के सामने सुरेशानंद जी महाराज बाबू बाबा के दरबार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का समापन सुदामा चरित्र की कथा के साथ हुआ।

श्रीमद् भागवत कथा सुनाते हुए श्याम दास जी महाराज ने कहा कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मणी ने जब भगवान कृष्ण को अपना जीवन साथी मान लिया, तब उन्होंने समाज और परिवार की दावों की परवाह किए बिना अपने हृदय की आवाज को प्राथमिकता दी। उनका यह निर्णय उस समय की परंपराओं की विरुद्ध था, क्योंकि उनके भाई ने उनका विवाह किसी और से तय कर दिया था। ऐसी कठिन स्थिति में रुक्मणी ने कृष्ण को संदेश भेज कर अपने प्रेम और समर्पण का इजहार किया। भगवान कृष्ण ने भी उनके विश्वास को सार्थक करते हुए विवाह मंडप से उनका हरण कर लिया और उन्हें अपने साथ द्वारका ले गए।

श्री श्याम दास जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी से सुदामा चरित्र का वर्णन कर सैकड़ों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान संगीतमय भजनों की प्रस्तुति श्रद्धालुओं के सम्मुख आकर्षण का केंद्र बनी रही। श्रद्धालुओं ने भजनों पर भावपूर्ण नृत्य कर अपनी आस्था और भक्ति का परिचय दिया। परीक्षित की भूमिका निभा रहे पंडित सुरेश आनंद जी महाराज बाबू बाबा ने भी नृत्य कर सभी को आनंदित किया। प्रसाद भी उन्होंने वितरित किया।

शहीद वनरक्षक हरिकेश गुर्जर की याद में निकला कैंडल मार्च

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहीद वनरक्षक हरिकेश गुर्जर की स्मृति में शनिवार शाम को शहर में भावुक माहौल के बीच कैंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च पुलिस लाइन मुरैना से शुरू होकर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल संग्रहालय तक पहुंचा, जहां सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कैंडल मार्च में वन विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद हरिकेश गुर्जर के बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि उनकी शहादत को हमेशा याद रखा जाएगा और यह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में 'वन परिवार का हर कदम उनको श्रद्धांजलि हो' संदेश के साथ सभी ने एकजुट होकर श्रद्धांजलि दी।

समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की जयंती 'शिक्षा और संकल्प दिवस' के रूप में मनाई गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एकीकृत शासकीय विद्यालय, शिकारी पुरा में शनिवार को आधुनिक भारत के महान समाज सुधारक और शिक्षा की अलख जगाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती 'शिक्षा और संकल्प दिवस' के रूप में भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और दिनभर विविध ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों की धूम रही।

महापुरुष को नमन एवं पुष्पांजलि

समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक गणों की उपस्थिति में महात्मा ज्योतिराव फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर और माल्यार्पण के साथ हुआ। उपस्थित जनों ने महापुरुष के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके द्वारा समाज को दी गई नई दिशा को याद किया।

वक्ताओं ने रेखांकित किया महात्मा फुले का योगदान

आयोजित विशेष संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ शिक्षकों ने कहा कि महात्मा फुले केवल एक समाज सुधारक नहीं, बल्कि एक युगदृष्टा थे। उन्होंने उस कालखंड में दलितों, पिछड़ों और महिलाओं के लिए शिक्षा की नींव रखी जब यह अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। उनके द्वारा रचित 'गुलामगिरी' और 'शेतकर्‍याचा आसूड' जैसे साहित्य आज भी हमें सामाजिक समानता और किसानों के हितों के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

विद्यार्थियों का संबोधनः छात्रों ने महात्मा फुले के प्रेरक प्रसंगों और उनके संघर्षों पर ओजस्वी भाषण दिए।

सामूहिक शपथः समस्त शिक्षक गणों और स्टाफ ने समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाने और हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने का सामूहिक संकल्प लिया।

प्रतियोगिताः जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर निकला भव्य चल समारोह, अनेक स्थानों पर हुआ स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर भव्य चल समारोह निकाला गया, जिसमें कुशवाह समाज के हजारों लोग शामिल हुए। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते इस जुलूस में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और फुले जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। चल समारोह के दौरान आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे और जयकारों से पूरा माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। समाज के वरिष्ठ जनों और युवाओं ने फुले जी के सामाजिक सुधार, शिक्षा और समानता के सिद्धांतों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मार्ग में अनेक स्थानों पर चल समारोह का आत्मीय अभिनंदन किया गया।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की परिप्रेक्ष्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने एवं नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि गणना के संबंध में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा विकासखंड जौरा ने एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को दिया।

11 अप्रैल को ज्ञापन देने से पूर्व सैकड़ों की संख्या में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के लोग एमएस रोड पर पुराने बस स्टैंड से रैली के रूप में अपनी मांग के समर्थन में पैदल एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में लिखा था कि आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नॉन टीईटी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में निवेदन है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचना 10 अगस्त 2010 को देखा जावे। ज्ञापन में यह भी लिखा था कि वर्ष 2011 से 2014 के मध्य गुरुजी से संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्त शिक्षक को छूट प्रदान की गई है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में भी उक्त छूट का उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद विभागीय आयुक्त द्वारा समस्त सेवारत नॉन टीईटी शिक्षकों को उत्तीर्ण करने हेतु बाध्य किया जाना अधिसूचना के प्रावधानों एवं माननीय न्यायालय के निर्णय की भावना के विपरीत है। इसलिए लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा 02 मार्च 2026 तथा आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश द्वारा दिनांक 26 मार्च 2026 को जारी आदेशों को तत्काल नष्ट करने की कृपा करें। इस अवसर पर उमेश शर्मा, रविशंकर शर्मा, संजय शर्मा, शैलेंद्र शर्मा, पुष्पा शर्मा, उर्मिला, नीरज, अंजू, नीतू, सुनीता, कल्पना, मंजू, राजेश दुबे, मुन्नी, सत्येंद्र तिवारी, मुन्नालाल यादव, राजकिशोर शर्मा, प्रमोद शर्मा, रामअवतार प्रजापति, अशोक त्यागी, अशोक मौर्य, कन्हैया त्यागी, कौशल शर्मा, चंद्रेश उपाध्याय, प्रमोद सिंह सिकरवार, पंकज शर्मा, उदय रावत, शैलेंद्र शर्मा सहित काफी संख्या में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पटियारे वाली माता का वार्षिक मेला आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। निकटवर्ती नरहेला पंचायत में स्थित जय माँ बिजासन पटियारे के दरबार में वार्षिक मेला जात का आयोजन भक्ति भाव के साथ किया गया। माता रानी के इस दरबार में वैसे तो नित्य भजन कीर्तन पूजा पाठ का आयोजन होता रहता है, लेकिन वार्षिक मेले के आयोजन के अवसर पर माता रानी के दरबार को आकर्षक ढंग से सजाया गया। सुबह से ही भक्तों की भीड़ आना प्रारंभ हो गया, वहीं दूसरी तरफ जगत जननी के प्रांगण में लगे चाट, फल, मिठाई आदि दुकानों पर भीड़ का नजारा भी था। माता रानी की जिन भक्तों पर कृपा रही उनकी मन्नत पूरी हो गई। उक्त भक्त लोग अपनी समर्थ के अनुसार माता रानी के दरबार में चढ़ावा भी चढ़ा रहे थे। कन्या भोज भी कर रहे थे। कई भक्त लोगों ने नेजा भी चढ़ाया। देर रात तक माता रानी के दरबार में भक्तों का आना-जाना लगा रहा। भजन कीर्तनों का आयोजन भी होता रहा। जगत जननी के दरबार की पुजारी श्रीमती विजयलक्ष्मी, पवन शर्मा के सानिध्य में दरबार में समस्त धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। माता रानी के दरबार की मान्यता है कि सच्चे मन से जो भी भक्त मुराद मांगते हैं माता रानी उनकी मुराद अवश्य पूरी करती हैं।

एक बगिया माँ के नाम : प्रशिक्षण सह बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अम्बाह जनपद के सभाकक्ष में 'एक बगिया माँ के नाम' योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक सीईओ जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव के निर्देशन में आयोजित हुई, जिसमें एपीओ जिला पंचायत तिलक सिंह कुशवाह एवं जिला परियोजना प्रबंधक (आजीविका मिशन) दिनेश सिंह तोमर उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान रोजगार सहायकों एवं एनआरएलएम की कृषि सखियों को उनके ग्राम पंचायतों में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें पेड़-पौधों के रोपण, फेंसिंग तथा गड्ढे खोदने जैसे कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि जिन हितग्राहियों द्वारा बगिया तैयार कर ली गई है या फेंसिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उन्हें लेबर एवं मटेरियल क्रय के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। आजीविका मिशन के डीपीएम दिनेश सिंह तोमर ने कहा कि जो हितग्राही प्रारंभ में फेंसिंग कराने में असमर्थ हैं, वे स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर कार्य प्रारंभ कर सकते हैं, बशर्ते उन्होंने पूर्व में ऋण न लिया हो। बैठक में एपीओ सतेंद्र माहौर सहित जनपद एवं आजीविका मिशन का स्टाफ उपस्थित रहा।

भागवत कथा का समापन, भंडारे में 10 हजार लोगों ने प्रसादी गृहण की

मुरैना/अम्बाह। महाराणा प्रताप पार्क के सामने आसपास के व्यापारियों और साधु-संतों के सहयोग से श्रीमद्भागवत कथा का समापन शनिवार को हुआ। माहौल श्रद्धा और भक्ति से भरा रहा। अंतिम दिन विशाल भंडारा लगा। भीड़ सुबह से देर शाम तक रही। भंडारा सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ। देर शाम तक लगातार चला। नगर और आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचे। प्रसादी ग्रहण की। आयोजकों के अनुसार 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने भंडारे में भाग लिया। समापन पर साधु-संतों के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम हुए। स्थानीय व्यापारियों और समाजसेवियों ने भंडारे की व्यवस्था संभाली।

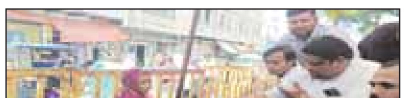

जौरा में आज विद्युत प्रवाह बंद रहेगा

मुरैना/जौरा। आज 12 अप्रैल रविवार को सब स्टेशन पर अति आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते सभी फीडर की विद्युत आपूर्ति प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 तक बंद रहेगी। अधिकारी एवं कर्मचारियों का कहना है कि समय आवश्यकता अनुसार घटाया एवं बढ़ाया भी जा सकता है।

छात्र-छात्राओं को किया एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड जौरा द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत संचालित बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं व मेंटर्स द्वारा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस सेमिल की अनुमति व मार्गदर्शन में सिविल हॉस्पिटल जौरा का अतिरिक्त कक्षाओं के तहत भ्रमण किया गया। जिसके तहत सिविल हॉस्पिटल में टीबी, आरकेएस, दंत, कुष्ठ,नेत्र विभाग सहित आईसीटीसी का भ्रमण किया गया। परामर्शदाता सीटीसीआई संदीप सेंगर ने आउटरीच गतिविधि के तहत सभी लोगों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरुक करते हुए एचआईवी संक्रमण होने के चार कारणों को विस्तार से समझाते हुए बचाव के बारे में जानकारी दी, साथ ही एसटीआई, एवं गुप्त रोग संबंधित परामर्श की जानकारी दी गई। इस अवसर पर बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के मेंटर्स श्रीमती आरती जादौन, विनोद शर्मा, रामबीर खरे, श्री कुमार शर्मा, कमल किशोर सहित नवांकुर संस्था मानपुर पृथ्वी से अलकेश राठौर सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कल

मुरैना। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 1 में 13 अप्रैल सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह आयोजन प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अमृत राजे एमबीबीएस एमडी (न्यूरो सायकेट्री) मनोरोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय मुरैना मौजूद रहेंगे। आयोजक कमलेश राठौर, जितेन्द्र डण्डौतिया व ओ.डी. शर्मा ने सभी से उपस्थित रहने की अपील की है।

हस्तशिल्प क्षेत्रों के लिए कौशल एवं तकनीकी विकास योजनान्तर्गत प्रस्ताव 17 अप्रैल तक होंगे प्रस्तुत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में कौशल एवं तकनीकी विकास योजनानार्गत वर्ष 2026-27 के लिये आबंटन मांग पत्र आयुक्त हाथकरघा एवं हस्तशिल्प को भेजा जाना है। योजना का उद्देश्य प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियों, स्व-सहायता समूहों, उद्यमियी व्यक्तिगत बुनकरों, शिल्पियों को आत्मनिर्भर बनाना ग्रामोद्योग उत्पादों को बाजार योग्य बनाने के लिए तकनीकी सपोर्ट प्रशिक्षण विशेषज्ञों की सेवाएं, उन्नत उपकरण शिक्षण संस्थाओं जिले के बुनकरों, शिल्पियों के युवाओं को प्रशिक्षण दौरान छात्रवृत्ति एवं अन्य प्रासंगिक व्ययों की पूर्ति हेतु सहायता प्रदान करना है। इसके लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव ने हस्तशिल्प क्षेत्रों के लिए कौशल एवं तकनीकी विकास योजनान्तर्गत प्रस्ताव 17 अप्रैल तक आमंतित्र किए हैं।

उन्होंने बताया कि हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्रों के लिए संचालित कौशल एवं तकनीकी विकास योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 आंबटन के उपर्युक्त निर्धारण के लिए जिले में गतिविधियां संचालन हेतु इच्छुक क्रियान्वयन इकाईयों से योजना के प्रावधान अनुसार वित्तीय मदों हेतु 17 अप्रैल 2026 तक जिला पंचायत मुरैना को प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते है। इस तिथि के पश्चात प्रस्तुत प्रस्ताव विचारणीय, स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

बुनियादी प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, उन्नत हाथकरघा, सहायक उपकरण प्रीलूम पोस्टलूम फेसिलिटी रंगाई उपकरण और हाथकरघा उद्योग से संबंधित उपकरण आदि के लिए इस हेतु जिले की क्रियान्वयन इकाईयां पात्र है।

हर जरुरतमंद तक पहुंचे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ: ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर। सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी भाव के साथ जन समस्यायें सुनकर जरूरतमंद लोगों तक सरकार की योजनाओं की पहुँच आसान की जा रही है। यह बात ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को रेसकोर्स रोड स्थित अपने स्थानीय सरकारी कार्यालय पर जनसुनवाई के अवसर पर कही। उन्होंने आमजनों की एक-एक कर समस्यायें सुनीं। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने अधिकारियों से कहा कि समस्याओं का निदान निर्धारित समय सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनसुनवाई में आईं पात्र महिलाओं को राशन दिलाने,

पात्र वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत करने तथा निरूशुल्क इलाज के लिये आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में आए आवेदकों की समस्याओं के निराकरण के लिये पर जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, विद्युत वितरण कंपनी, महिला बाल विकास, खाद्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस अवसर पर आमजनों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि सरकार आप सबकी समस्याओं के निराकरण के लिये सदैव तत्पर है। साथ ही आपके हर सुख-दुरूख में सहभागी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिये प्रभावी कदम उठाए हैं।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गर्मी के मौसम में पक्षियों को प्यास और हीटस्ट्रोक से बचाने के उद्देश्य से रिंकू बुंदेला के सहयोग से मिट्टी से निर्मित पानी के पात्र (सकोरे) आमजन को वितरित किए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में आसमान से आग बरसती है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है।

अप्पा जी एक आदर्श प्रशासक, राजनेता के साथ मेरे शिक्षक भी रहे: विवेक शेजवलकर

ग्वालियर। राजनीतिक क्षेत्र के अजातशत्रु, ऋषि परम्परा के राजनेता, पूर्व विधायक, पूर्व महापौर स्व. माधव शंकर इन्दापुरकर की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति सभा का आयोजन महाराज बाड़े पर स्थित भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन पर आयोजित हुआ।

पूर्व सांसद महापौर विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि ऐसा लगता ही नहीं कि आज अप्पा जी हमारे बीच नहीं है, वह हम सभी को परिवार के सदस्य की तरह मानते थे, उनका लंबा राजनैतिक जीवन आदर्श के रूप में जाना जाता है महापौर के रूप में उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहा, वे एक आदर्श प्रशासक के साथ एक अच्छे शिक्षक भी रहे। इस मौके पर ऋषि शब्द कि व्याख्या करते हुऐ प्रदेश के मंत्री

लोकेन्द्र पाराशर ने कहा कि मन्त्र और उसकी सिद्धि कर ऋषित्व को प्राप्त किया जाता है। अप्पा ने भी भाजपा के मूल मन्त्रो का आत्मसात कर अपने कृतित्व से सिद्ध किया था। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में यशवंत इंदापुरकर, ध्यानेंद्र सिंह, कमल माखीजानी, अभय चौधरी, देवेश शर्मा,प्रेम सिंह, मनोज तोमर. धर्मेंद्र बिट्टू तोमर, जवाहर प्रजापति, अशोक शर्मा, लालजी जादौन, नीलिमा शिंदे, सुमन शर्मा, मोहन विटवेकर, डॉ नितेश शर्मा, समीक्षा गुप्ता, राकेश गुप्ता, राजू सेंगर, नवीन परांडे, सुसेंन्द्र परिहार, पारस जैन, घनश्याम गुप्ता, चन्दन पटेल, जीतेन्द्र गुर्जर, राजू सेठ, मुलायम सिंह, सुरेंद्र शर्मा, मुरारी मित्तल, मनोज भार्गव, संतोष गोडयाले, अजय तिवारी, संजीव पोतनिस, अनिल सांखला, मोहित जाट, धर्मेन्द्र कुशवाह, राघवेंद्र कुशवाह, व्यंजना मिश्रा, संतोष राजोरिया, राजू पलैया आदि प्रमुख हैं।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण करना अधिकारियों का प्रथम दायित्वः कलेक्टर

ग्वालियर। राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में करना राजस्व अधिकारियों का प्रथम दायित्व है। शासन द्वारा राज्स प्रकरणों के निराकरण के लिये समय-सीमा निर्धारित की गई है। निर्धारित

समय में प्रकरणों का निराकरण न करने वाले राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक दिए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने समीक्षा के दौरान राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के मामले में राजस्व अधिकारी तत्परता से कार्रवाई करें। कार्रवाई के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों का भी सहयोग लें। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए। अवैध कॉलोनी निर्माण के विरूद्ध भी राजस्व अधिकारी सजगता के साथ कार्रवाई करें।

उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जो राजस्व अधिकारी शासकीय कार्य में लापरवाही बरतते हैं उनके विरूद्ध कार्रवाई के प्रस्ताव भी वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्तुत करें। शासकीय कार्य में लापरवाही पाए जाने पर किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को बख्शा नहीं जायेगा। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने राजस्व वसूली की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों से कहा कि लंबित राजस्व वसूली प्रकरणों में तेजी लाई जाए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज राजस्व संबंधी शिकायतों का समय-सीमा में संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

साधना से ही साधन स्थिर होता है: राघव ऋषि

कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

ग्वालियर। साधना से ही साधन स्थिर होता है। भागवत कथा तीनों प्रकार के तापों को नष्ट करती है। कथा के माध्यम से सच्चिदानंद प्रभु की प्राप्ति होती है। जो आनन्द हमारे भीतर है उसे जीवन में किस प्रकार प्रकट करें यही भागवत शास्त्र सिखाता है। जैसे दूध में मक्खन रहता है फिर भी वह दिखाई नहीं देता, मंथन करने पर मिल जाता है। यह बात अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वक्ता श्री विद्या सिद्ध संत एवं ज्योतिष सम्राट राघव ऋषि ने ऋषि सेवा समिति के तत्वावधान में जयेंद्रगंज स्थित माधव मंगलम पैलेस में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर कहीं।

कथा के शुभारंभ से पहले कलश यात्रा फालका बाजार स्थित श्री राम मंदिर से प्रारम्भ हुई। यात्रा गिर्राज मंदिर, हाईकोर्ट होते हुए कथास्थल पर पूर्ण हुई। कलश यात्रा में पीले वस्त्रों में 108 महिलाएं कलश लिए हुए बैंड-बाजे सहित मंगलगान करते हुए चल रही थी। बग्घी पर सवार राघव ऋषि नगरवासियों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। विभिन्न स्थानों पर पुष्पवृर्षा द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। कथा के पहले दिन राघव ऋषि ने कहा कि मानव मन को मंथन करके आनंद को प्रकट करना है। मनुष्य जीवन का लक्ष्य है परमात्मा से मिलना। उसी का जीवन सफल है जिसने प्रभु को प्राप्त किया। भागवतशास्त्र का आदर्श दिव्य है। घर में रहकर के भगवान को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। इस शास्त्र में सिखाया है। इस मौके पर राघव ऋषि के एकमात्र सुपुत्र सौरभ ऋषि ने गणपति वन्दना गौरी के नंदन की हम पूजा करते हैं का गान किया। इससे सब भावविभोर होकर श्रद्धालु नृत्य करने लगे। अंत में शुकदेव जी आकर परीक्षित को धन्य किए। पोथी पूजन एवं व्यास पूजन मुख्य यजमान श्रीमती चन्द्रकान्ता एवं शिवराम अग्रवाल द्वारा किया गया। श्रद्धालुओं का स्वागत अभिनन्दन श्रीमती प्रेमलता एवं आनन्द मोहन अग्रवाल द्वारा किया गया। अन्त में समिति के संतोष अग्रवाल, संजय शर्मा, उमेश उप्पल, प्रमोद गर्ग, रामबाबू अग्रवाल, अम्बरीश गुप्ता, रामसिंह तोमर, देवेन्द्र तिवारी, हरिओम मिश्र, उदय प्रताप चितौड़िया, मनीष गोयल, रामप्रसाद शाक्य, विष्णु पहारिया, अमित श्रीवास्तव, गिरीश शर्मा सहित अनेक भक्तों ने आरती की।

श्रद्धांजलि...

ग्वालियर वनमण्डल के समस्त कर्मचारी अधिकारी द्वारा मुरैना में शहीद वन रक्षक हरिकेश गुर्जर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

डबरा से लापता नाबालिग बालिका उन्नाव में मिली

ग्वालियर। डबरा थाना क्षेत्र से लापता हुई एक नाबालिग बालिका को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव से सकुशल बरामद किया है। पुलिस ने नाबालिगा से पूछताछ के बाद उसे उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डबरा सिटी क्षेत्र में रहने वाली एक पंद्रह वर्षीय नाबालिग लड़की 26 फरवरी को घर से लापता हो गई थी। पुलिस ने लड़की के परिजनों की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। तभी पुलिस को विवेचना के दौरान तकनीकी सहायता के आधार पर जानकारी प्राप्त हुई कि अपहृत नाबालिग बालिका मौरावां जिला उन्नाव (उ0प्र0) में है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम उन्नाव पहुंची और उदय नगर कॉलोनी चौकी गुलरिहा थाना मौरावां जिला उन्नाव (उ0प्र0) से लड़की को सकुशल दस्तयाब किया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।